सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 251 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 24 जून 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

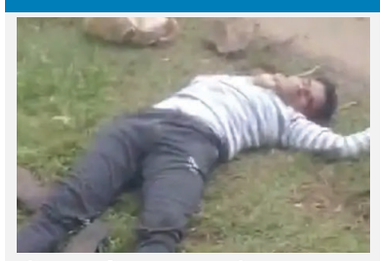

बीजापुर में आरक्षक की हत्या का प्रयास, नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने किया हमला

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने भरे बाजार एक आरक्षक की हत्या की कोशिश की है। आरक्षक के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया है। आरक्षक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं नक्सलियों ने इसी महीने कुल 7 लोगों की हत्याएं की हैं।

दरअसल, यह मामला जिले के पदेड़ा गांव का है। आरक्षक संतु पोटाम यहां के बाजार गए हुए थे। वहीं नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम भी बाजार में मौजूद थी। मौका देखकर उन्होंने संतु पर हमला कर दिया। जिसके बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई। इस हमले के बाद नक्सली तुरंत जंगल की तरफ भाग निकले। जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि आरक्षक की स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है। उसका इलाज जारी है। बीजापुर पुलिस ने घटना की पुष्टि की है।

45 गांवों ने लिया डिस्पोजल का उपयोग नहीं करने का निर्णय

दुर्ग। जिले के 45 गांवों की ग्राम सभाओं ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब गांवों में शादी, सगाई, छठी, मृत्यु भोज और अन्य सामूहिक आयोजनों में डिस्पोजल थाली, कटोरी, गिलास और चम्मच का उपयोग पूरी तरह बंद होगा। इसके बजाय, गांव के बर्तन बैंक से बर्तनों का उपयोग किया जाएगा। ग्राम सभा के इस फैसले से अधिकांश ग्रामीण सहमत हैं। यदि कोई परिस्थिति का हवाला देकर नियम तोड़ने की कोशिश करता है, तो पहले उसे समझाइश दी जाएगी। फिर भी नहीं मानने पर जुर्माना वसूला जाएगा। जिला प्रशासन का गांवों को प्लास्टिक मुक्त बनाने का अभियान तेजी पकड़ रहा है। जिले के 300 गांवों में से 45 में बर्तन बैंक स्थापित हो चुके हैं। जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान का ही नतीजा है कि ग्रामीण अब डिस्पोजल सामग्री का उपयोग छोड़ रहे हैं। इस अभियान में महिला स्व-सहायता समूहों की भूमिका अहम है, जो प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में ग्रामीणों को जागरूक कर रही हैं।

छज्जे में मौत का फंदा बनाकर झूली महिला, गांव में सनसनी

कवर्धा। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नेवारी गांव में मंगलवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक 35 वर्षीय महिला का शव उसके ही मकान के छज्जे से फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया। मृतका की पहचान संतरा बाई के रूप में हुई है जो चार बेटियों की मां थी। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पुलिस को यह बात हैरान करने वाली लगी कि महिला का शव छज्जे से लटकते हुए फंदे पर तो था लेकिन उसके घुटने ज़मीन को छू रहे थे। इस स्थिति ने आत्महत्या के मामले को संदिग्ध बना दिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है और मामले की जाँच में जुट गई है।

रायपुर में मेरठ जैसा हत्याकांडः रिटायर्ड एएसआई के बेटे-बहू ने की हत्या, सूटकेस में पैककर फेंकी लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सोमवार सुबह यूपी के मेरठ जैसी वारदात को अंजाम दिया गया। धारदार हथियार से एक युवक का गला काटा, फिर शव को सूटकेस के अंदर डाला और सीमेंट का मोटा प्लास्टर चढ़ा दिया। मामले में पुलिस ने रिटायर्ड एएसआई के बेटे अंकित उपाध्याय और उसकी पत्नी शिवानी शर्मा को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। मृतक युवक की पहचान किशोर पैंकरा के रूप में हुई है। अंकित वारदात का मास्टरमाइंड है। वो पेशे से वकील भी है। लाश फेंकने ले जाते वक्त पति और पत्नी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों रायपुर एयरपोर्ट से दिल्ली फरार हो गए थे।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला रायपुर के डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। सोमवार को इंद्रप्रस्थ कॉलोनी के वंडरलैंड वाटर पार्क के पास वहां से गुजर रहे लोगों ने एक बड़ी एल्यूमिनियम की पेटी संदिग्ध हालात में देखी। उत्सुकता वश लोगों ने पेटी देखी तो उसमें एक सूटकेस पड़ा था। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब ट्रंक खुलवाया तो लाश सूटकेस में ठूंसी हुई मिली। सूटकेस में सीमेंट

का प्लास्टर था। फोरेंसिक एक्सपर्ट के अनुसार सीमेंट का मोटा प्लास्टर करने से लाश सड़ने पर दुर्गंध नहीं उठती। हत्यारों ने इसी वजह से कत्ल के बाद युवक की लाश को ट्रंक में ठूंसा, फिर उसमें सीमेंट का प्लास्टर किया। इसके बाद चेन लगाकर सूटकेस बंद किया, फिर भी जब दुर्गंध उठने लगी तो पकड़े जाने के डर से सूटकेस को पेटी में रखकर इंद्रप्रस्थ के सुनसान इलाके में फेंक दिया। फुटेज में दिख रहा है कि आरोपी लाश को टीन की बड़ी पेटी के अंदर डालकर फेंकने ले जा रहे हैं। कार में 2 लोग सवार हैं। वहीं कार के आगे-पीछे स्कूटी सवार एक संदिग्ध युवती भी मंडरा रही थी।

सूटकेस फाड़कर बाहर आ गई लाश

बस्तीवालों का कहना है कि सुबह आते-जाते समय उन्हें हल्की दुर्गंध आ रही थी जो बाद में बढ़ गई। लोगों ने शक होने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम ने ट्रंक खुलवाया तो उसमें लाश निकली। शव फूलकर सूटकेस के कुछ हिस्से को फाड़कर बाहर आ गया था। पुलिस के मुताबिक शव बुरी तरह सड़ चुका है, लेकिन शुरुआती जांच में पता चला है कि युवक का गला धारदार हथियार से काटने का अनुमान है। सूटकेस में ठूंसने के लिए उसे पूरी तरह से मोड़ा गया था। उसके हाथ-पांव को शरीर में जोड़कर बांधा गया था।

बाहर से लाई गई लाश, सीसी टीवी फुटेज में दिखी कार

शुरुआती जांच में पुलिस को अंदेशा हो गया था कि युवक इंद्रप्रस्थ क्षेत्र का न होकर कहीं और का है। मर्डर कर शव को छिपाने के लिये यह तरीका अपनाया गया है। जांच के दौरान पुलिस को सीसी टीवी फुटेज मिला है जिसमें एक कार डिक्की ओर पेटी को रखकर लाया जा रहा है। सामने नंबर प्लेट पर सीजी 04 बी- 7700 लिखा है। जांच के दौरान यह नंबर 2005 में विजय भूषण के नाम पर रजिस्टर्ड है। आरोपियों ने कार का नंबर प्लेट बदल दिया। फुटेज के अनुसार हत्यारे सुबह करीब 9.30 बजे ट्रंक फेंकने आए थे। इसके बाद कार सुबह 9.50 बजे बाहर निकली। कार के अंदर दो सवार दिखे जिनकी पहचान का प्रयास की जा रही थी। जल्द ही पुलिस को सफलता मिली और दिल्ली से आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गोलबाजार से खरीदी गई पेटी

जिस पेटी में सूटकेस भरा था वह गोलबाजार के पेटीलाइन इलाके से खरीदा गया था। ट्रंक विक्रेता शब्बीर ने बताया कि ट्रंक एक युवक और युवती ने संदिग्ध हालात में सुबह-सुबह आकर खरीदा था। शब्बीर ने पुलिस को दोनों के हुलिए की जानकारी दी, जिससे पुलिस की जांच के लिए अहम सुराग मिले।

यूपी में भी हुई थी ऐसी ही हत्या

उत्तर प्रदेश के मेरठ में इसी साल मार्च महीने में एक युवती ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी थी। उन्होंने शव के टुकड़े कर उसे एक ड्रम में डालने के बाद उसमें सीमेंट का घोल भर दिया। लाश अंदर जम गई। लोगों को पता ना चले इसलिए आरोपी ने उसे अपने घर के अंदर ही छुपा दिया था। लाश को निकालने के लिए पुलिस को भी 2 घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी।

काशी के कोतवाल श्री काल भैरव के दरबार में सीएम साय ने टेका मत्था, पूजा कर मांगी प्रदेश की खुशहाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देवों के अधिदेव भगवान शंकर की पावन नगरी काशी में स्थित 'काशी के कोतवाल' श्री काल भैरव जी महाराज के दिव्य मंदिर में आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और देश के कल्याण हेतु प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री साय ने बाबा काल भैरव की विधिवत आराधना की और संपूर्ण राष्ट्र के लिए मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि बाबा भैरवनाथ की कृपा समस्त देशवासियों पर निरंतर बनी रहे, यही मेरी प्रार्थना है। उन्होंने देश के नागरिकों के जीवन में सुरक्षा, समृद्धि और कल्याण के प्रकाश के निरंतर प्रवाह की कामना भी की। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ राज्य की शांति, विकास और जनकल्याण की दिशा में अग्रसर यात्रा के लिए बाबा काल भैरव जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले पीएम मोदी- भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है

नई दिल्ली ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के दो महानतम आध्यात्मिक और नैतिक नेताओं श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी जिक्र किया। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि कैसे भारत ने 22 मिनट में दुश्मनों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया ने हाल ही में ये भी देखा है कि भारत का सामर्थ्य क्या है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की कठोर नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। आज का भारत देशहित में जो भी सही है उसके हिसाब से कदम उठाता है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज ये परिसर देश के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है। एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि

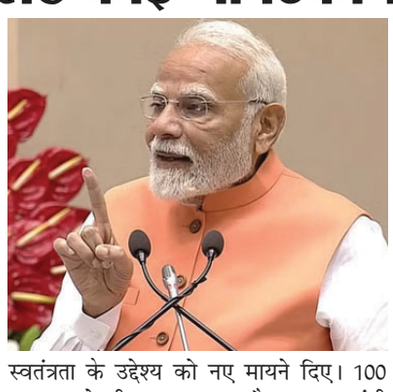

स्वतंत्रता के उद्देश्य को नए मायने दिए। 100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात आज भी उतनी की प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '100 साल पहले वो मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के स्रोत की तरह है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं श्री नारायण गुरु को नमन करता हूं और महात्मा गांधी जी को भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी है। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं श्री नारायण गुरु उनके लिए प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। आप सभी जानते हैं कि समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग से मेरा क्या नाता है और इसलिए आज भी जब मैं समाज के शोषित, पीड़ित,वंचित वर्ग के लिए निर्णय लेता हूं तो मैं गुरु देव को जरूर याद करता हूं।'

महान संत थे श्री नारायण गुरु

पीएम मोदी ने कहा, 'भारत की विशेषता है कि हमारा देश जब भी मुश्किलों के भंवर में फंसता है, तो कोई न कोई महान विभूति देश के किसी कोने में जन्म लेकर समाज को नई दिशा दिखाता है। कोई समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करता है, तो कोई सामाजिक क्षेत्र में समाज सुधारों को गति देता है। श्री नारायण गुरु ऐसे ही महान संत थे।'

छत्तीसगढ़ में फिर से सक्रिय हुआ मानसून, उत्तरी छत्तीसगढ़ में होगी भारी बारिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है। पूरे प्रदेश में मानसूनी बारिश हो रही है। मंगलवार को सुबह से ही प्रदेशभर में बादल छाए हुए हैं। दुर्ग भिलाई में सुबह से हल्की बारिश हो रही है। इसके साथ ही राजधानी रायपुर सहित उत्तर छत्तीसगढ़ में अगले एक सप्ताह तक झमाझम बारिश का अनुमान है।

मौसम विभाग ने इस दौरान कई जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया

है। यानी गरज चमक के साथ अंधड़ और वज्रपात की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक उत्तरी छत्तीसगढ़ में अनेक स्थानों पर वर्षा होने की संभावना है तथा एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। अगले 5 दिनों तक मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की गतिविधि दर्ज की गई। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस पेंड्रारोड में रहा।

26 जून से बढ़ेगी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है। दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों पर चक्रवाती परिसंचरण से उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश, झारखंड और उत्तरी ओडिशा होते हुए उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर तक फैला हुआ एक गर्त बना हुआ है। उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तट से दूर पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 5.8 और 7.6 किमी ऊपर दक्षिण की ओर झुका हुआ है, जो ऊंचाई के साथ बना हुआ है। 26 जून से प्रदेश में मानसून की सक्रियता बढ़ने की संभावना है। इससे छत्तीसगढ़ के जिलों में अनेक स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। इससे नदी-नालों का जलस्तर बढ़ सकता है।

पॉलीटिक्स के लिए कुछ भी करेगा

श्रीकंचनपथ

देश की राजनीति भी अजग-गजब है. यहां दक्षिण पंथ, वामपंथ या चरमपंथ के बीच में वैसा फासला नहीं है जो कि किताबी तौर पर होना चाहिए। एक ही व्यक्ति कभी दक्षिण पंथी, कभी वामपंथी तो कभी चरमपंथी हो सकता है। वह खरबूजा है जो खरबूजे को देखकर रंग बदलता है। अब गांधी को ही ले लो। पिछले दो-ढाई दशकों में एक बड़ी आबादी ने गांधी को पिछली सदी का सबसे बड़ा खलनायक साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बड़ी संख्या में लोग आज भी देश के विभाजन के लिए गांधी को ही सबसे बड़ा कसूरवार मानते हैं। लोग तो यहां तक कहने लगे कि भारतीय करेंसी नोटों पर से अब गांधी की तस्वीर हटनी चाहिए। विवाद कचरा पेटी पर गांधी के प्रतीक चश्मे को लेकर भी खड़ा हुआ। पर गांधी वह वटवृक्ष है जिसका मूल तना भले ही मिट जाए पर वह अपनी शाखों को जमीन में गड़ाए अपने आकार का विस्तार करता चला जाता है। गांधी उन महान चिंतकों में शामिल थे जिन्हें लगता था कि मुट्ठी भर जमींदारों या राजाओं की कोशिशों से आजादी नहीं आएगी। आजादी की सोच को सामाजिक चेतना का हिस्सा बनाना होगा। इसके लिए सबसे पहली जरूरत थी कि इंसान को इंसान का दर्जा दिया जाए। वर्ण और व्यवसाय के आधार पर समाज का बंटवारा न हो। स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी माना जाए और इसे किसी समुदाय विशेष पर नहीं थोपा जाए। 1924-25 के ब्रिटिश भारत में एक ऐसा ही आंदोलन केरल में प्रारंभ हुआ था। केरल के वायकोम में, मंदिर के आसपास की सार्वजनिक सड़कों पर दलितों का प्रवेश वर्जित था। टीके माधवन, के केलप्पन और केपी केशव मेनन जैसे कांग्रेस नेताओं ने यहां एक अहिंसक आंदोलन शुरू किया। वायकोम सत्याग्रह के परिणामस्वरूप, मंदिर के आसपास की कुछ सार्वजनिक सड़कें दलितों के लिए खोल दी गईं। वायकोम सत्याग्रह के दौरान 12 मार्च 1925 को महात्मा गांधी ने शिवगिरी आश्रम का भी दौरा किया जहां उनकी मुलाकात श्री नारायण गुरू से हुई। नारायण गुरु के तर्क और समावेशी प्रथाओं ने गांधी को गहराई से प्रभावित किया। निचली जाति के बच्चों को प्रार्थना करते और उपनिषदों के उनके ज्ञान को देखकर गांधी प्रभावित हुए। इसके बाद महात्मा ने राष्ट्रीय आंदोलन में अस्पृश्यता उन्मूलन और हरिजन उत्थान पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अपने अखबार यंग इंडिया का नाम बदलकर हरिजन' कर दिया और अस्पृश्यता उन्मूलन को अपने मिशन का केंद्रीय हिस्सा बना दिया। इधर पिछले कुछ सालों से सनातन की बहुत बातें हो रही हैं। वर्ण व्यवस्था के शीर्ष पर बैठे लोगों को लग रहा है कि उनके स्वर्णिम दिन लौटने वाले हैं। पर लोकतंत्र मुट्ठी भर लोगों से नहीं चलता। उसे उस विशाल समुदाय के समर्थन की भी जरूरत पड़ती है जो हाशिए पर हैं। आज गांधी और श्रीनारायणगुरू की 1925 में हुई चर्चा का शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है। दिल्ली के विज्ञान भवन में इस समरोह का प्रधानमंत्री मोदी उद्घाटन करेंगे।

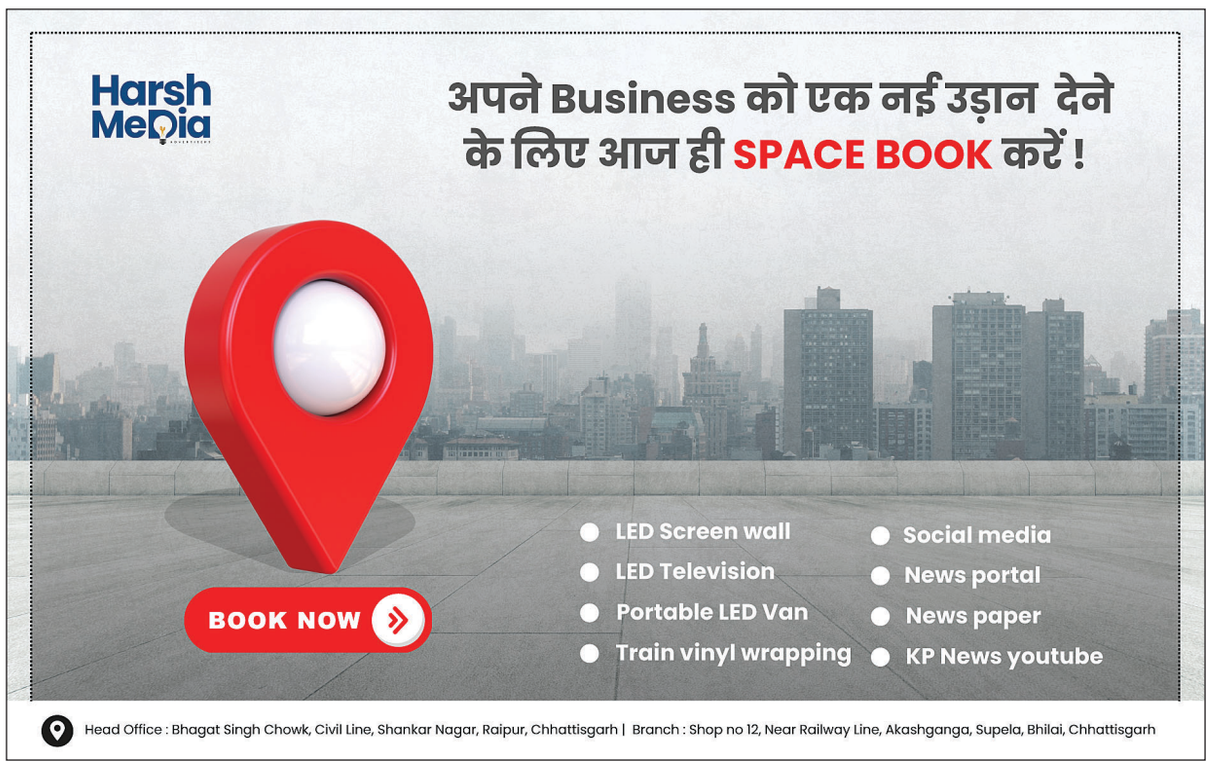

संपादकीय

चलाया तीर दुश्मन को लगा अपने को

ऐसा हमेशा होता नहीं है लेकिन कभी कभार ऐसा जाता है कि तीर तो दुश्मन पर चलाया जाता है लेकिन बाद में पता चलता है कि वह तो अपने को ही जाकर लगा है। विरोधियों के साथ अपने लोग ही मजाक उड़ाते है कि कैसे तीरंदाज हो,कौन अपना है और कौन पराया है, इतना भी तुमको पता नहीं है। उठाया बयान का धनुष और चला दिया आलोचना का तीर। कांग्रेस में कुछ नेता ऐसे भी हैं जो माने जाते महान धनुर्धर, लेकिन उनके चलाए तीर कई बार दुश्मन को तो लगते नहीं है, आकर अपने को ही यानी कांग्रेस को लगते है और उनके साथ कांग्रेस का भी मजाक उड़ता है। कांग्रेस के ऐसे दो महान धनुर्धर है कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और दिग्विजय सिंह।

"कांग्रेस के नेता हो या बड़े नेता सब राहुल गांधी को खुश करने के लिए भाजपा की सरकार, भाजपा के किसी नेता के खिलाफ कुछ भी बोलने को मिले तो उसे जल्दी से लपक लेते हैं और खाली हेडिंग पढ़कर बिना सोचसमझे उस पर कुछ बोल भी देते हैं जैसे भाजपा सरकार या भाजपा नेता ने कोई बड़ा गुनाह कर दिया है। वह जनता को बताते हैं कि देखो आपने भाजपा को चुनकर कितना गलत किया है। प्रिंट मीडिया में एक खबर ऐसी कुछ दिन पहले जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह को मिल गई। खबर थी कि छत्तीसगढ़ में डीएमएफमें 575 करोड़ के काम मंजूर किए गए। इन कामों की मंजूरी के लिए कमीशन तय था। कलेक्टर का 40 प्रतिशत, सीईओ का 5 प्रतिशत, एसडीओ का 3 प्रतिशत, सब इंजीनियर का 2 प्रतिशत।

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है तो दिग्विजय सिंह ने जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर पढ़ी तो दिग्विजय सिंह एक पत्रकार की पोस्ट को रिपोस्ट कर लिखा कि छत्तीसगढ़ में व्यवस्थित घोटाला सामने आया है। रिश्वत के लिए नए नियम बनाए गए हैं। कलेक्टर 57 करोड़ की घूस ले रहे हैं। आदिवासियों के विकास की कहानी इस तरह लिखी जा रही है। इसी खबर को जयराम रमेश ने रिपोस्ट की। मतलब पूरे देश को बताने का प्रयास किया कि देखो भाजपा की जहां सरकार है वहां तो कमीशन का रेट तक फिक्स हो गया है। यह भी बताने का प्रयास था कि इससे अच्छी तो कांग्रेस की सरकारें थी। कम से कम रेट तो फिक्स नहीं था।

ये दोनों वरिष्ठ नेता तो छत्तीसगढ़ से बाहर के थे,उनसे गलती हो गई,। कांग्रेस में कभी कभी नेतृत्व से गलती हो जाती है तो कांग्रेस के बड़े नेताओं से कभी-कभी गलती हो जाना कोई बड़ी गलती थोड़ी न है। राजा साहेब तो छत्तीसगढ़ के ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता है, क्या ऐसा हो सकता है कि राज्य के मंत्री को पता न हो कि डीएमएफ में काम की मंजूरी के लिए कमीशन फिक्स हो गया है। ऐसे में टीएस सिंहदेव से ऐसी गलती की उम्मीद राज्य की जनता नहीं करती है। वह भी कहने का लोभ संवार सके जारी कर दिया बयान कि छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार का फल खुलेआम कट भी रहा है और भ्रष्टाचारियों बंट भी रहा है। यह है भाजपा का एक हैं तो सेफ हैं का छत्तीसगढ़ माडल। डीएमएफ घोटाले में अफसरों के लिए बाकायदा घूस का रेट।

कांग्रेस नेताओं से गलती तो हुई, इसका पता उन्हें तब चला जब लोगों ने उनका मजाक उड़ाया आप लोग जिसे भाजपा सरकार का घोटाला समझकर खुश हो रहे हो वह डीएमएफ घोटाला तो कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के समय हुआ है। यानी भूपेश बघेल के शासन में भ्रष्टाचार के फल हर विभाग में खूब फल रहे थे,खूब कट रहे थे और खूब बंट रहे थे। इसका पता जनता को भाजपा के शासन मे जांच होने पर चला है। भाजपा सरकार ने तो डीएमएफ घोटाला ही नहीं और भी कई घोटाले में कड़ी कार्रवाई की है इसलिए कई नेता जेल में है तो कई नेता बेल में है तथा कई नेता जेल जाने वाले हैं।

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

ललित गर्ग

भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाक आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाक का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा।

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।' आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को करना पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इस्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा। भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफ का इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफ ने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया। एफएटीएफ का यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं।

यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया। इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा लिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफ के दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है।

जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेजबानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ के बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है कि यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख की पुष्टि करता है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पाक के लिए एक और बड़ा झटका है, जिससे उसकी वैश्विक छवि और कमजोर हो सकती है। गौरतलब है कि भारतीय अधिकारियों ने पिछले महीने पेरिस और वॉशिंगटन में एफएटीएफ प्रतिनिधियों से बैठक कर पाक के खिलाफ नई कार्रवाई की मांग की थी।

भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाक आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाक का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाक हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का सफल प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाक आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा की बजाय आतंकवाद को पल्लवित करने पर खर्च करेगा। इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण आतंकवाद पोषण की स्थितियों में धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए।

रैंकिंग में पश्चिम बंगाल पिछड़ा

भारत के बड़े राज्यों के लिए जारी वर्ष 2025 की नई रैंकिंग में महाराष्ट्र का पहले स्थान और पश्चिम बंगाल का 13वें स्थान पर रहना बहुत अखरने वाली बात नहीं है। चिंता की बात यह है कि पश्चिम बंगाल में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव हैं। रैंकिंग में पिछड़ना राज्य में सत्तारूढ़ टीएमसी की छवि खराब कर सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी केअरएज के अनुसार बड़े राज्यों में महाराष्ट्र शीर्ष पर रहा जबकि गुजरात को दूसरा, कर्नाटक को तीसरा, तेलंगाना को चौथा और तमिलनाडु को पांचवां स्थान मिला। एजेंसी रैंकिंग का निर्धारण सात प्रमुखबिदुओं के आधार पर करती है। इनमें आर्थिक, राजकोषीय, बुनियादी ढांचा, वित्तीय विकास, सामाजिक, शासन और पर्यावरण के पहलुओं पर राज्यों के कामकाज को परखा जाता है। केअरएज के अनुसार राज्यों की समग्र रैंकिंग में महाराष्ट्र 56.5 अंकों के समग्र सूचकांक के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि पश्चिम बंगाल कुल 17 बड़े राज्यों में 38.9 अंक के साथ 13वें स्थान पर रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार 34.8 के समग्र सूचकांक के साथ 17वें स्थान पर रहा जो झारखंड और मध्य प्रदेश से थोड़ा पीछे है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु ने आर्थिक, वित्तीय विकास, पर्यावरण और शासन मापदंडों पर अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं छोटे, पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों से गोवा वित्तीय विकास, बुनियादी ढांचे, सामाजिक, आर्थिक एवं राजकोषीय मापदंडों में अच्छे अंक के साथ सबसे आगे रहा। बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर पश्चिम बंगाल बड़े राज्यों की श्रेणी में आठवें स्थान पर रहा जबकि पंजाब शीर्ष पर और उसके बाद हरियाणा और तेलंगाना रहे। यह रैंकिंग राज्यों के स्तर पर कुछ राज्यों को आगे दिखाती है तो कई सवाल खड़े भी करती है। इसमें गोवा जैसे छोटे, पहाड़ी और पूर्वोत्तर के राज्यों तक का जिक्र है लेकिन बड़े राज्यों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड और दिल्ली, उड़ीसा, छत्तीसगढ़,और आंध्र प्रदेश व केरल का कोई खास जिक्र नहीं है। क्या इन राज्यों में महत्व के काम नहीं हो रहे। क्या कारण है कि इन सभी राज्यों के काम रेटिंग एजेंसियों की नजर में नहीं आ पा रहे। हाल के वर्षों में रेटिंग एजेंसियों और सव्रे एजेंसियों की बाढ़ सी आ गई है। पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों को जबरदस्त कार्य करके दिखाने की जरूरत है।

माँ की शक्ति, बच्चों का भविष्य : योग से बदलता परिदृश्य

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

चाहे वह बोर्डरूम हो या युद्धभूमि मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त महिलाएँ ही बदलाव की वाहक होती हैं; महिलाओं के लिए अपनी वास्तविक शक्ति को पहचान कर उसे विकसित करना अत्यंत आवश्यक है, और योग इसकी कुंजी है।

योग की जन्मस्थलीभारत में आज भी इस प्राचीन जीवनशैली को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के पोषण के लिएएक दार्शनिक पद्धति के रूप में स्वीकारकियाजाता है। भगवद्गीता (अध्याय 2, श्लोक 50) में कहा गया है-योगः कर्मसु कौशलम्,अर्थात् 'योग कर्मों में कौशल है।' भगवान श्रीकृष्ण कास्पष्टसंदेश है कि-सच्चायोग शारीरिक आसन या ध्यान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात में परिलक्षित होता है कि हम अपने दैनिक कर्तव्यों को कितनी कुशलता और ध्यानपूर्वकनिभाते हैं।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि योग में परिवर्तनकारी क्षमता है, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने और बच्चों के पोषण में, जो हमारे समाज की नींव हैं।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग ने वैश्विक मंच पर एक कल्याणकारी और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में पहचान प्राप्त की है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में 21 जून कोअंतरराष्ट्रीय योग दिवसघोषित कियागया, जो भारत की महान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक मान्यता सिद्धकरता है।

इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम, एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योग है। जोकि योग की सर्वसमावेशी और सार्वभौमिक अपील को रेखांकित करती है। प्रधानमंत्री ने भी इस बात पर जोर दिया है कि योग किसी कॉपीराइट, पेटेंट या रॉयल्टी से मुक्त है। यह लचीला है-आप इसे अकेले,समूह में, गुरु से या स्वयं भी सीख सकते हैं। जैसे-जैसे हमारा राष्ट्र विकसित भारत बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि योग को महिलाओं और बच्चों के जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए।

भारत की कुल आबादी में महिलाओं और बच्चों की संख्या लगभग दो-तिहाई है, और वे स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं। अतः उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना हम सबका कर्तव्य है, और योग की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है।

योग महिलाओं के लिए मानसिक और शारीरिक दोनों दृष्टि से अनेक लाभ प्रदान करता है। यह हार्मोनल संतुलन को बेहतर बनाता है, मानसिक तनाव को कम करता है, और मांसपेशियों एवं हड्डियों को मजबूत बनाता है। विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं की विशिष्ट शारीरिक आवश्यकताओं के अनुसार योग एक समग्र और प्रभावी समाधान प्रदान करता है।

योग को अपनाकर महिलाएँ गर्भावस्था से पूर्व औरबाद के परिवर्तनशील समय की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बनती हैं ।

प्रसवपूर्व योग, अपने विशेष आसनों और ध्यान तकनीकों के साथ, गर्भावस्था की परेशानियों को कम करता है, दर्द प्रबंधन में सहायता करता है, और ऊर्जा को बढ़ाता है। यह गर्भवती माताओं को शारीरिक और भावनात्मक रूप से प्रसव के लिए तैयार करता है। प्रसवोत्तर योग, स्तनपान कराने वाली माताओं को उनकी रिकवरी, भावनात्मक सहायता, स्तनपान को बढ़ावा देने और माँ-बच्चे के रिश्ते को मजबूत करने में मदद करता है।

महिलाओं में योग के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए, भारत में 25 लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का एक सशक्त नेटवर्क है, जो योग को महिलाओं और बच्चों के दैनिक जीवन में अपनाने के लिए जानकारी, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान कर रहा हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की वकालत की है। वे कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सक्रिय रूप से समर्थन करते हैं, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व बैंक का यह अनुमान है कि महिला श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि से भारत के औद्योगिक उत्पादन में 9त्न तक की वृद्धि हो सकती है और 2047 तक हम एक उच्च आय वाले विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। यह सब तभी हासिल किया जा सकता है जब हमारे पास शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ महिला कार्यबल हो।

आज की तेजी से बदलती दुनिया में, बच्चे भी जीवनशैली संबंधी विकारों, स्क्रीन पर निर्भरता और शैक्षणिक दबावों से तेजी से प्रभावित हो रहे हैं। योग इन चुनौतियों के लिए साक्ष्य-आधारित, समयबद्ध और सांस्कृतिक रूप से निहित प्रतिक्रिया प्रदान करता है। यह एकाग्रता, याददाश्त बढ़ाने, भावनात्मक विनियमन, नींद की गुणवत्ता और तनाव के प्रबंधन को बेहतर करता है - जो समग्र बचपन के विकास के प्रमुख घटक हैं। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के माध्यम से, हमारा मंत्रालय योग को बच्चों की प्रारंभिक देखभाल और विकास में शामिल कर रहा है, जो आजीवन स्वास्थ्यवर्धक आदतों की नींव रख रहा है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक बहुआयामी रणनीति के अंतर्गतयोग को महिलाओं और बच्चों के जीवन के अभिन्न अंग के रूप में अपनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। हमारी प्रमुख योजनाएँ, जैसे-आंगनवाड़ी केंद्र, वन स्टॉप सेंटर औरबाल देखभाल संस्थान आदि न केवल पोषण और कल्याण सम्बन्धी सेवाएँ प्रदान करते हैं, बल्कि योग से जुड़ी विशेष गतिविधियों एवं प्रशिक्षण के माध्यम से लाभार्थियों के जीवन को भी प्रभावित करते हैं। इन केंद्रों में आयुष मंत्रालय के सहयोग से तैयार विशेषयोग मॉड्यूल्स लागू किए जा रहे हैं, जो विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों पर केंद्रित हैं।

वैश्विक व्यवस्था के बदलते विमर्श में, महिलाएँ हर मोर्चे पर अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। आईटी से लेकर अंतरिक्ष तक और नीति निर्माण से लेकर सामरिक रक्षा तक, महिलाएँ नई अग्रिम पंक्ति की योद्धा हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूरमें कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह का नेतृत्व इसका जीवंत उदाहरण हैं। यह स्पष्ट है कि मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त महिलाएँ असाधारण परिवर्तनकारी शक्ति बन सकती हैं-और योग उनकी इस अपारक्षमता का आधार है।

योग के माध्यम से समावेशी विकास को बढ़ावा देनाहमारी सरकार की प्राथमिकता है। महिला और बाल विकास की अपनी नीतियों में योग को सक्रिय रूप से शामिल करके, हम अपनी सांस्कृतिक संप्रभुता पर जोर दे रहे हैं । योग को केवल एक अभ्यास के रूप में नहीं बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक सहभागी अभियान, एक जन-आंदोलन के रूप में देखा जाना चाहिए और हमारी सरकार इस मुहिम को देश के हर हिस्से में ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विकसित भारत@2047 की ओर हमारी यात्रा में, योग एक संवेदनशील, सशक्त और लचीला समाज गढ़ने की दृष्टि प्रदान करता है।आइए, हम सभी मिलकर 'स्वस्थ भारत' की प्रतिबद्धता के लिए व्यक्तिगत स्वास्थ्य और राष्ट्रीय समृद्धि में योग को अपनाने की दिशा में एकजुट हों।

संचार माध्यमों के राजनीतिक इस्तेमाल

अनिल चमड़िया

मीडिया के करोबार का विश्लेषण करने वाले एक बेहद उलझे हुए प्रश्न से जूझ रहे हैं। एक तरफ तो यह दावा किया जाता है कि पढ़ने और खासतौर से समाचार पत्र और पत्रिका की संस्कृति खत्म हो रही है, लेकिन दूसरी तरफ भारत सरकार ने 2024-2025 में पत्र-पत्रिकाओं की संख्या और उनकी प्रसार संख्या में बढ़ोतरी का दावा किया है।

एक प्रश्न तो यहां एक दूसरे के विरोध में खड़े दावों का है। दूसरा; सरकार के समाचार पत्र-पत्रिकाओं, टीवी और दूसरे माध्यमों के विस्तार होने का दावा क्या इस दावे की पुष्टि करता है कि देश में लोकतंत्र की जड़े मजबूत हुई है? क्योंकि मीडिया की आजादी की स्थिति पर नजर रखने वाले वैश्विक संगठनों का दावा है कि भारत में मीडिया के आजाद होने की स्थिति में लगातार गिरावट आई है। तब क्या इसका मतलब यह लगाया जा सकता है कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के विकास और विस्तार का मापक संचार माध्यमों की संख्या का बढ़ना तो हो सकता है, लेकिन उसका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के उपयोग की स्वतंत्रता का विस्तार के दावे से कोई संबंध नहीं है। तब इसका अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि लोकतंत्र में नागरिकों के अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का संविधान में उल्लेख तो हो सकता है, लेकिन उस अधिकार का इस्तेमाल मीडिया कंपनियां अपने हितों में करती है।

पूरी दुनिया की तरह भारत में भी प्रिंट की तकनीक पर आधारित संचार माध्यमों ने जन जीवन को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। इतिहास में यह विश्लेषण मिलता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से राजनीतिक सत्ताएं इसे नये तरह के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगी। भारत में भी संचार माध्यमों के राजनीतिक इस्तेमाल की प्रवृत्ति के बढ़ने को लेकर स्वतंत्रता के बाद से ही चिंता जाहिर की जा रही है। संचार माध्यमों खासतौर से समाचार माध्यमों की राजनीतिक सत्ता के पक्षधर होने की आलोचना होती है।

आपातकाल के बाद से यह आलोचना ज्यादा मुखर हुई है। आंकड़े संख्या की भाषा में प्रस्तुत होते हैं, लेकिन उनका विश्लेषण आंकड़ों के भीतर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक हालात के कड़वे विवरणों को सतह पर ला देता है। आंकड़ों के रूप में संचार माध्यमों के विस्तार पर नजर डालें तो यह तथ्य काबिले गौर है कि 1857 में तब के भारत में 475 अखबार निकलते थे और उनमें से अधिकांश प्रांतीय भाषाओं में निकलते थे। इन समाचार पत्रों की प्रसार संख्या भी आबादी की तुलना में बेहद कम होती थी। 2025 की तुलना में इस समय छपी सामग्री को पढ़ने की क्षमता अपेक्षाकृत बेहद कम थी, लेकिन स्वतंत्रता के आंदोलन से नागरिकों में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के प्रति चेतना इतनी गहरी थी कि अपने अधिकार के इस्तेमाल के लिए संचार माध्यमों पर निर्भरता ज्यादा नहीं बढ़ी। यही वजह हो सकती है 1957 तक रोजाना छपने वाले समाचार पत्रों की तादाद महज 446 थी। भारत सरकार के आंकड़े बताते हैं कि चुनावी वर्षो के आसपास रोजाना के समाचारपत्रों की संख्या तुलनात्मक रूप से ज्यादा हो जाती है। चुनाव के बाद के वर्षो में संख्या में विस्तार की गति कमजोर हो जाती है।

मसलन 1984, 1985 और 1986 में प्रकाशित समाचार पत्रों की संख्या का विश्लेषण किया जा सकता है। इसी तरह 1989 और 1999 में भी समाचार पत्रों की संख्या की गति तेज होने का उदाहरण मिलता है। बाद के चुनाव के इर्द-गिर्द के वर्षो पर नजर डालने के बाद 2014 से पूर्व समाचार पत्रों की संख्या पर नजर डालें तो इसके स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि चुनाव के मद्देनजर समाचार पत्रों की उपयोगिता की गति पहले के मुकाबले ज्यादा बढ़ी। 2012-13 में 12109 रोजाना के समाचार पत्र थे और उसके के बाद 2013-2014 में समाचार पत्रों की संख्या 13350 यानी एक हजार से ज्यादा नये पत्र निकले। 2012-2013 में समाचार पत्रों की संख्या का विकास दर 8.43 प्रतिशत है। यह प्रवृत्ति 2024 तक देखी जा सकती है। 2019-2020 के आंकड़े बताते हैं कि अकेले इस वर्ष समाचार पत्रों की संख्या का विकास दर 19.52 प्रतिशत है। देश में राजनीतिक सत्ता आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सतहों पर आकार लेती है। जाति और धर्म तो राजनीतिक सत्ता के आधार में होते ही हैं, लेकिन जाति और धर्म का भी एक भाषाई आधार देखने को मिलता है। हिन्दी में सबसे ज्यादा 60107 प्रकाशन होने की जानकारी मिलती है। इसके बाद अंग्रेजी में 20175 प्रकाशन हुए मगर इनकी तुलना में कश्मीरी और डोगरी में सबसे कम संख्या देखने को मिलती है।

उर्दू में प्रकाशन की संख्या 7027 है। भाषा के आधार पर समाचार पत्रों पत्रिकाओं के विस्तार का विश्लेषण करें तो इनकी छवि राजनीतिक प्रचारक के रूप में दिखती है। संचार माध्यमों के विस्तार का आधार क्या शैक्षणिक, नागरिकों की आर्थिक स्थितियां, आबादी आदि होती है। आंकड़े इस तरह के तकरे व कसौटी को स्वीकार नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश आबादी में सबसे बड़ा है और वहां सर्वाधिक 22741 प्रकाशन है और दूसरे नंबर वाले महाराष्ट्र में 21522 प्रकाशन है, लेकिन आबादी में बड़ा तीसरा राज्य बिहार में महज 2219 है। मध्य प्रदेश आबादी में पांचवे नंबर पर है, लेकिन सर्वाधिक प्रकाशन वाले राज्यों में तीसरे नंबर पर है। पश्चिम बंगाल आबादी में चौथे नंबर पर है लेकिन वहां आबादी में छठवें नंबर वाले तमिलनाडु के कुल 7596 की तुलना में 9209 प्रकाशन हैं। आबादी में 19वें नंबर वाली दिल्ली देश की एकलौती राजधानी है इसीलिए वह तुलना के गणित से बाहर है।

भाषा की तरह से राज्यों में प्रकाशनों की संख्या की गति आर्थिक नीतियों और उससे जुड़ी राजनीति पर निर्भर करती है। यहां आर्थिक नीतियों को लोगों के आर्थिक हालात के रूप में नहीं पढ़े। प्रकाशनों की प्रसार संख्या के आंकड़े एक अलग कहानी का बयां करते हैं। 2010-11 में 32 करोड़ से ज्यादा प्रसार संख्या है। इनमें रोजाना के पत्रों की प्रसार संख्या साढ़े 17 करोड़ से ज्यादा है। रोजाना छपने वाले समाचार पत्रों की प्रसार संख्या 2023-24 में 21 करोड़ से ज्यादा पहुंच गई जबकि दूसरे संचार माध्यमों का भी तेज गति से विस्तार हुआ है। दूसरा की प्रसार संख्या को चुनावी वर्षो के आसपास भी देखा जा सकता है। क्या प्रसार संख्या सामान्य गति से बढ़ती व घटती है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई में प्रवेश हेतु 25 जून 2025 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई में शैक्षणिक सत्र 2025-26 एवं 2026-27 में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गया है। इच्छुक अभ्यर्थी 25 जून 2025 तक वेबसाईट cgiti.admissions.nic.in पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई से प्राप्त जानकारी अनुसार इस वर्ष संस्थान में कुल 1180 सीटें 26 विभिन्न व्यवसायों पर उपलब्ध है, जिसमें कोपा फाउन्ड्रीमेन, मेसन, स्टेनो हिन्दी, स्टेनो अंग्रेजी, डीजल मैकेनिक, ट्रेक्टर मैकेनिक, वेल्डर, वेल्डर डीएसटी, वेल्डर एवं वुड वर्क टेक्निशियन, एडिटिव मैनुफेक्क्रिरिंग टेक्नीशियन (3डी प्रिटिंग), मैनुफेक्क्रिरिंग प्रोसेस कंट्रोल एंड ऑटोमेशन, डीसीएम, असिस्टेंट टेक्नीशियन ड्राईवाल एंड फॉल-सीलिंग, मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल, डीएमसी, डीएमएम, विद्युतकार, इलेक्ट्रानिक्स, फिटर, उपकरण यांत्रिकी, मशीनिष्ट, मोटर मैकेनिक व्हीकल, आरएसी, टर्नर, वायरमेन शामिल है। प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी संस्थान की वेबसाईट या सीधे आईटीआई भिलाई से प्राप्त किया जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों को निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण

दुर्ग। बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, दुर्ग भारत सरकार द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण संस्थान है जो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। आरसेटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवक युवतियों को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार विकास को सुगम बनाना है। आरसेटी द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम आत्म-उत्पादकता, सशक्तीकरण, कौशल विकास, उद्यमिता, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के बारे में शिक्षण प्रदान करते हैं। आरसेटी द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से, ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ाने में मदद मिलती है। इसी उद्देश्य प्राप्ति हेतु संस्थान द्वारा जिला दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा के ग्रामीण क्षेत्र के युवक/युवतियों हेतु नि:शुल्क आवासीय (भोजन व्यवस्था के साथ) जून माह में फोटोग्राफी एवं विडिओग्राफी (31 दिन) दिनांक 21 जून 2025 से प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा चुका है जिसमे प्रवेश हेतु अंतिम तिथि 24 जून 2025 है। आगामी दिनों में प्रशिक्षण 25 जून 2025 से कंप्युटर हार्डवेयर नेटवर्किंग (45 दिन), 30 जून 2025 से मोबाईल रिपेयरिंग (30 दिन) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उक्त प्रशिक्षण हेतु दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा के ग्रामीण क्षेत्र के 18 से 45 वर्ष के युवक/युवतियों से आवेदन आमंत्रित है। प्रशिक्षण हेतु आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, राशन कार्ड, नरेगा जॉब कार्ड. मार्कशीट, 4 पासपोर्ट फोटो की छायाप्रति अनिवार्य है।

भिलाई में पहली बार रेड कारपेट, आयोजकों ने कहा हर साल छत्तीसगढ़ में भी होगा भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एस एस फाउंडेशन भिलाई द्वारा दुर्ग के पृथवी पैलेस में फैशन फेस्टिवल का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में पहली बार रेड कारपेट का आयोजन गया, जिसमे छत्तीसगढ़ के एचीवर और क्राउन होल्डर गर्ल्स और महिलाओ ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में डिज़ाइनर रनवे का भी आयोजन किया गया, जिसमे पुरे छत्तीसगढ़ से 55 प्रतिभागियो ने हिस्सा लिया सभी प्रतिभागियों ने अपना अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया।

डिज़ाइनर रनवे में 5 केटेगरी थे जिसमे निर्णायक द्वारा निर्णय के बाद किड्स में प्रथम ईशिता कर्माकर, तृतीया अक्षत राठौर, मिस टीन में प्रथम प्रकृति चौहान, द्वितीय जन्नत अंसारी, तृतीया तूलिका रॉय, मिस में प्रथम पुष्पलता साहू, द्वितीय मंजू मोडियम, तृतीया उज्जवल साहू, मिसेस में प्रथम दीप्ती देवांगन, द्वितीय एकता वर्मा, तृतीया प्रार्थना गोस्वामी और मिस्टर में प्रथम रोहित साहू, द्वितीय पंकज दौंदे, तृतीया अमर सोनकर इन सभी ने ख़िताब जीता, निर्णायक के रूप में रोली सिंह, उमा कुशवाहा, मिसेस संदीप कौर, किरण रात्रे और भव्या वैष्णव आये हुई थे, स्पेशल क्रोनिंग में पूजा सोनी, अर्चना शर्मा और पद्मिनी शर्मा रही। डिज़ाइनर ड्रेस में फ्लीस इंस्टिट्यूट ने अपने ड्रेसेस का प्रदर्शन किया उसके साथ साथ सभी प्रतिभागियों को मेकअप करने के लिए मेकअप आर्टिस्ट लैकमे की पूरी टीम आयी हुए थी। इस कार्यक्रम में सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता प्रकाश आयी हुई थी।

शिखा साहू ने बताया की रेड कार्पेट सिर्फ फ्रांस में कांस में होता है जिसे अब हम छत्तीसगढ़ में ही रेड कार्पेट का कांसेप्ट पेश कर रहे है इसमें बहुत सारे फैशन डिजाइनर, मेकअप आर्टिस्ट और प्रतिभगियों में होनहार बच्चे ने हिस्सा लिया, मेरा सपना है की छत्तीसगढ़ को देश के खास स्थान फैशन के क्षेत्र में भी जाना जाये इसके लिए मैं पिछले पांच वर्षों अपनी कड़ी मेहनत और अपनी कार्यों से सभी गर्ल्स और महिलाओ को ये प्लेटफॉर्म दे रही हूँ और रेड कारपेट मेंरा सपना था जिसको सफल बनाने के लिए आप सभी की मेहनत और आशीर्वाद से पूरा हो सका और निरंतर आगे भी इस तरह के आयोजन होते रहेंगे।

इस कार्यकम को सफल बनाने के लिए एस एस फाउंडेशन के सभी सदस्य शोमा साहू, अमन साहू, किशन देवांगन, प्रज्ञा साहू और श्रद्धा साहू आदि का विशेष योगदान रहा।

एनसीसी कैंप में कैडेट्स को मिली वेपन ट्रेनिंग, एडीजी एनसीसी मेजर जनरल ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एनसीसी एटीसी 135 का वार्षिक प्रशिक्षण 10 दिवसीय शिविर के चौथे दिवस में सर्वप्रथम कैडेट्स को इस शिविर के क्लास में सोमवार को वेपन ट्रेनिंग एवं मैप रीडिंग के बारे में बताया गया। इसके पश्चात शिविर में भोपाल के एडीजी एनसीसी मेजर जनरल विक्रांत एम धूमने का आगमन हुआ। कैडेटो द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया इसके पश्चात शिविर का निरीक्षण किया गया।

इस शिविर में शिविर की गतिविधियों का कैंप कमांडेंट कर्नल प्रेमजीत ग्रुप कमांडर डीके पत्र व डिप्टी कैंप कमांडेंट पी अनिरुद्ध फर्स्ट छत्तीसगढ़ नेवल रायपुर के निर्देश में वह सूबेदार मेजर थानेश्वर गुरुंग के दिशा निर्देश में कुशलता पूर्वक संचालन किया गया। भोपाल के एडीजी एनसीसी मेजर जनरल विक्रांत एम धूमने, रायपुर ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर डीके पात्रा के कैम्प विजिट के दौरान उन्होंने कैंप एरिया का निरीक्षण भी किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि एनसीसी का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

एनसीसी कैडेट्स को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि सैन्य प्रशिक्षण सामाजिक सेवा और खेल। कैडेट्स को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी की भावना विकसित करने और समाज के लिए योगदान करने के लिए प्रेरित किया जाता है। वे अपने प्रशिक्षण और अनुभव का उपयोग देश के लिए एक सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए करें। कैडेट्स को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की आवश्यकता है। एडीजी एवं ग्रुप कमांडर सभी एनसीसी अधिकारी से मिलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अपने-अपने संस्था में बच्चों को विशेष रूप से एनसीसी की बारीकियां को सिखाया जाए और एनसीसी के लिए प्रमोट किया जाए। उक्त कार्यक्रम में कैंप कमांडेंट कर्नल प्रेमजीत, डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कमांडर पी.अनिरुद्ध फर्स्ट छ.ग. नेवल रायपुर, सूबेदार मेजर थानेश्वर गुरुंग , कैंप एडजुटेंट कैप्टन सुरेखा जवादे, लेफ्टिनेंट उज्जवला भोसले, सेकंड ऑफिसर संतोष कुमार लहरे, थर्ड ऑफिसर उमेश बघेल, धरमपाल वर्मा, गोवर्धन साहू, तोप सिंह सोनवानी, रामचंद्र ढीमर, गंगेश्वर साहू, अलका मेढे, संदीप कुमार साहू, सूबेदार अमरिक सिंह, विकास खत्री, एस आर कुजुर, के.सी.बेहरा 12 पीआई एवं समस्त ऑफिस स्टाफ उपस्थित है ।एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का संपूर्ण प्रशिक्षण, जवाहर नवोदय विद्यालय बोरई जिला दुर्ग में विशेष योगदान प्रभारी प्राचार्य शंकर प्रसाद के द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्र के पास से घुरवा हटाने की मांग, बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा व उत्तम ध्रुव ने साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी।

उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 138 आवेदन प्राप्त हुए। भिलाई के सेक्टर-5 स्थित बीएसपी यूनिट-24 में निवासरत कॉलोनीवासियों ने प्रशासन से बारिश के मौसम में बेदखली की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। रहवासियों का कहना है कि वे कई वर्षों से अस्थायी/स्थायी रूप से इन आवासों में रह रहे हैं।

बीएसपी द्वारा इन मकानों को डैमेज आवास की श्रेणी में डालकर बेदखली की कार्यवाही की जा रही है, जिससे दर्जनों परिवार खुले आसमान के नीचे आने को मजबूर हो रहे हैं। बारिश के मौसम में इस तरह की कार्रवाई से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। प्रभावितों ने वर्षा ऋतु समाप्त होने तक बेदखली की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है। इस विषय पर डिप्टी कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। एक अन्य मामले में भिलाई निवासी ने निजी भूमि पर बने वैध सार्वजनिक रास्ते से अवैध कब्जा हटाने की गुहार लगाई।

कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक में शामिल हुए विधायक देवेंद्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में सोमवार को कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने की। बैठक में आगामी रणनीतियों, संगठनात्मक मजबूती, और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दौरे की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, वरिष्ठ विधायक देवेंद्र यादव, तथा अन्य प्रमुख पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ में पार्टी की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करना, जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने की दिशा में सुझाव लेना, तथा कार्यकर्ताओं के मनोबल को बनाए रखने हेतु समन्वय स्थापित करना था। श्री सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य में फिर से जनता का विश्वास जीतने हेतु प्रतिबद्ध है। हम सबको मिलकर संगठन को मजबूत बनाना है और जनता से सीधे संवाद करना है।

कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज का यूरोपियन यूनिवर्सिटी के साथ हुआ अंतरराष्ट्रीय एआई अनुबंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग और अनुसंधान उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रो. ब्लेर्टा प्रेवाला-एटेमी, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटिंग और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, आरआईटी कोसोवो (एयूके) ने सीमा-पार अनुसंधान साझेदारियों को प्रोत्साहित करने में एक अग्रणी पहल की है। कोसोवो (एयूके) रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूरोप का एक ग्लोबल कैंपस है। भिलाई के कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज का यूरोपियन यूनिवर्सिटी के साथ हुआ अंतरराष्ट्रीय एआई अनुबंध हुआ है। इसकी घोषणा कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, छत्तीसगढ़, भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एडवांसेस एंड एप्लिकेशंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग के दौरान की गई।

यह सहयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से सतत विकास, कंप्यूटिंग में छात्रों की प्रगति, और उन्नत अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना पर केंद्रित है। इन पहलों से शैक्षणिक ज्ञान को वास्तविक जीवन की समस्याओं से जोड़ा जाएगा, जिससे दोनों संस्थानों और उनकी व्यापक समुदायों को लाभ होगा। सम्मेलन की गरिमा को और बढ़ाते हुए, डॉ. देबब्रत सामंता, कार्यक्रम प्रमुख एवं सहायक प्रोफेसर, आरआईटी कोसोवो यूरोप, ने बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में भाग लिया। उनकी उपस्थिति और विचारों ने एआई और मशीन लर्निंग जैसे उभरते तकनीकी क्षेत्रों में वैश्विक सहयोग की महत्ता को और अधिक बल दिया।

यह संयुक्त प्रयास भारत और यूरोप के बीच शैक्षणिक संबंधों में एक नया अध्याय खोलता है और दोनों संस्थानों की नवाचार, ज्ञान विनिमय और भविष्य-केंद्रित शिक्षा के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस सहयोग का उद्देश्य शैक्षणिक अनुसंधान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटना है, और वैश्विक चुनौतियों का समाधान बहुविषयक अनुसंधान और तकनीकी नवाचार के माध्यम से करना है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर, कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरमैन आनंद कुमार त्रिपाठी ने सभी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा: यह सहयोग हमारे संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। हम इस परिवर्तनकारी पहल का हिस्सा बनकर गौरवान्वित हैं, जिससे नवाचार, अनुसंधान क्षमता और हमारे छात्रों के लिए वैश्विक अवसरों में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। संस्थान के निदेशक डॉ. वाई. आर. कटरे, प्राचार्य डॉ. अजय तिवारी एवं उप-प्राचार्य डॉ. रविंद्र शर्मा ने भी इस वैश्विक शैक्षणिक सहयोग में शामिल सभी हितधारकों को हार्दिक बधाई दी तथा नवाचार, अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को पुन: दोहराया।

संस्था के चेयरमैन आनंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि भिलाई के साथ-साथ ये पूरे देश-प्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि यूरोपियन अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय से अनुबंध प्रदेश के बच्चों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई दिशा प्रदान करेगा। यूरोपियन विश्वविद्यालय द्वारा कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज में अनुसंधान केंद्र स्थापित कर बच्चों को अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने का अभूतपूर्व अवसर प्राप्त होगा। अनुबंध के अनुसार लाइव प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ यूरोपियन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नवंबर 2025 से प्रत्येक समय अंतराल में आकर बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे और साथ ही कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर यूरोप जाकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरमैन आनंद कुमार त्रिपाठी जी ने इसे इंजीनियरिंग में एक नई क्रांति के रूप में देखते हुए बधाई दिया और बताया कि कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के बच्चे अपने 4 साल में यूरोपियन विश्वविद्यालय द्वारा दिए गये लाइव प्रोजेक्ट्स पर कर सकते हैं, जो कि उनके लिए सुनहरा अवसर होगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

15 जुलाई से रायपुर के च्वाइस सेंटरों में बंद होंगी आधार सेवाएं, अब सरकारी केंद्रों में ही बनेगा आधार कार्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत पूरे प्रदेश में आधार कार्ड से जुड़ी सेवाओं में 15 जुलाई 2025 से बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब आधार कार्ड बनवाने या अपडेट कराने के लिए नागरिक च्वाइस सेंटरों का रुख नहीं कर सकेंगे। केंद्र और राज्य सरकार के नए निर्देशों के तहत सभी आधार सेवाएं अब केवल सरकारी लोक सेवा केंद्रों पर ही उपलब्ध होंगी।

रायपुर में फिलहाल 44 से अधिक च्वाइस सेंटर संचालित हैं, जहां नागरिक अपनी सुविधा अनुसार आधार से जुड़ी सेवाएं लेते आए हैं। लेकिन 15 जुलाई से ये सभी केंद्र आधार सेवाएं देना बंद कर देंगे। इसके बाद केवल कलेक्टोरेट, नगर निगम मुख्यालय और छह जोन कार्यालयों समेत कुल 9 सरकारी केंद्र ही आधार कार्ड बनाने या अपडेट करने के लिए अधिकृत रहेंगे। नई व्यवस्था से आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, खासकर उन नागरिकों को जो दूर-दराज के इलाकों में रहते हैं या जिनकी दिनचर्या व्यस्त होती है। सीमित सरकारी केंद्रों पर बढ़ती भीड़, लंबी प्रतीक्षा और बार-बार दस्तावेजों के साथ लौटने की संभावनाएं इस बदलाव को चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं।

अब आधार सेवाओं का पूरा प्रबंधन चिप्स के अंतर्गत आ गया है। पहले यह जिम्मेदारी NIC हैदराबाद के पास थी। अब आईडी अलॉटमेंट, ब्लॉकिंग, सर्वर समस्याएं और तकनीकी सुधार का काम चिप्स द्वारा किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तकनीकी समस्याएं आती हैं, तो उनका समाधान करने में समय लग सकता है, जिससे नागरिकों को असुविधा हो सकती है। हालांकि सरकार का दावा है कि इस व्यवस्था से डेटा की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था में मजबूती आएगी, लेकिन नागरिक सुविधा को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

7 जुलाई को छत्तीसगढ़ आ सकते हैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे

रायपुर। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने सोमवार को पोलिटिकल अफेयर्स कमेटी की

बैठक ली जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दौरे पर चर्चा की गई। संभावना जताई जा रही हैं कि खरगे 7 जुलाई को छत्तीसगढ़ आ सकते हैं और उनके साथ राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल भी छत्तीसगढ़ आएंगे। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों नेताओं का विस्तृत शेड्यूल बहुत जल्द जारी किया जाएगा और एक बड़ी सभा को दोनों नेता संबोधित भी करेंगे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कई पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेसजन उपस्थित थे।

बेटियों ने बढ़ाया देश का मान, 14,000 फीट ऊँची चोटियों पर लहराया तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले की बेटियों ने अपने जूनून और जज्बे से देश का मान बढ़ाया है। दरअसल इन चार साहसी बेटियों ने हिमाचल प्रदेश के हमटा पास ट्रैक के ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराकर जिले के साथ छत्तीसगढ़ का भी नाम रोशन किया है। बता दें कि कनक लता, कोमिता साहु, खिलेश्वरी कश्यप और अम्बा तारक हिमाचल प्रदेश गई थी।

हमटा पास की बर्फीली चोटियों पर उन्होंने अपने साहस, संघर्ष और सफलता का परिचय दिया है। और 14,000 फीट ऊँची चोटियों पर तिरंगा फहरा लिया। इस दौरान उन्होंने कई कठिनाइयों का सामना करते हुए 35 किलोमीटर लंबे इस ट्रैक को पूरा किया है। ये यह यात्रा उनके लिए सिर्फ एक ट्रैकिंग अभियान नहीं उनके धैर्य

साहस और संघर्ष की एक अमिट गाथा है। वहीं इस सन्दर्भ में लता और कनक ने बताया कि, वर्षों पुराना उनका सपना अब आखिरकार साकार हो गया है।

कनक और लता ने बताया कि इस ट्रैकिंग की शुरुआत15 जून को होनी थी, लेकिन इसे दो दिन बाद यानी 17 जून को खराब मौसम के चलते शुरू किया गया। शुरू से ही मौसम ने बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी थीं। हालांकि फिर भी उन्हें कई कठिनाइयों का सामना कर 35 किलोमीटर लंबे इस ट्रैक को पूरा करना पड़ा। उन्होंने बताया कि जोबरा से चीका तक ट्रैक की पहली चढ़ाई की जिसकी दूर लगभग 4 किलोमीटर बताई जा रही है।

वहीं चीका से बालू घेरा तक दूसरे दिन की शुरुआत हुई थी। ये चढ़ाई 8 किलोमीटर ऊंची पहाड़ियों, बर्फीले रास्तों और उफनती नदियों के बीच से होकर करनी पड़ी। ये पूरा मार्ग लगभग 5-6 घंटे का था। इन बेटियों के हौसले को इस साहसिक यात्रा ने और भी बुलंद कर दिया। वहीं लता और कनक ने आगे बताया कि इसके अब उनका अगला सपना फ्रेंडशिप पीक की चोटी पर तिरंगा फहराना है। जिसक वह निरंतर अभ्यास करने में लगी हुई हैं।

शीघ्रलेखन और मुद्रलेखन कंप्यूटर कौशल परीक्षा 29 जून और 5 जुलाई को

रायपुर। लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ रायपुर के अंतर्गत शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कंप्यूटर कौशल परीक्षा का आयोजन दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में अंग्रेजी मुद्रलेखन परीक्षा 29 जून 2025 को आयोजित की जाएगी, जिसमें टाइपिंग गति 10,000 डिप्रेशन प्रति घंटा निर्धारित है। यह परीक्षा चार चयनित परीक्षा केंद्रों में संपन्न होगी। दूसरे चरण में हिंदी मुद्रलेखन परीक्षा 5 जुलाई 2025 को आयोजित होगी, जिसमें भी 10,000 डिप्रेशन प्रति घंटा की गति मान्य होगी। यह परीक्षा रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और बस्तर में स्थित पांच परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होगी। परीक्षार्थियों को केवल परिषद द्वारा आबंटित परीक्षा केंद्र, निर्धारित बैच और समय पर ही परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है। परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी परिषद की वेबसाइट https://ctsp.cg.nic.in पर उपलब्ध है। साथ ही, प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की सूचना परीक्षार्थियों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भेजी गई है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर महिलाओं ने थामा भाजपा का दामन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक व देश के पहले उद्योग मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर भारतीय जनता पार्टी रायपुर जिला इकाई ने बलिदान दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया। शारदा चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, दक्षिण विधायक सुनील सोनी, उद्योग विभाग के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, व अन्य वरिष्ठ नेता, पार्षद और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा जवाहर नगर मंडल के तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर गांव की कई महिलाओं ने भाजपा की नीति-रीति से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ली। विधायक व नेताओं ने उन्हें गमछा पहनाकर स्वागत किया। इससे पहले मंडल अध्यक्ष संदीप जघेल व अन्य कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। राजीव अग्रवाल ने कहा, हमारी डबल इंजन सरकार, डॉ. मुखर्जी के बताए रास्ते पर प्रदेश को विकास की ओर ले जा रही है। किशोर महानंद बोले, डॉ. मुखर्जी ने कश्मीर के लिए बलिदान दिया। धारा 370 के खिलाफ आवाज उठाकर देश की एकता को मजबूत किया। संदीप जघेल ने कहा-एक देश, एक विधान, एक प्रधान-डॉ. मुखर्जी का यह सपना मोदी सरकार ने साकार किया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान देश की अखंडता और संप्रभुता के लिए मील का पत्थर है। कश्मीर में एक देश, दो विधान, दो निशान का विरोध करने वाले डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता के लिए जान की बाजी लगा दी। कार्यक्रम में रायपुर भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर, प्रदेश पदाधिकारी सत्यम दुआ, सच्चिदानंद उपासने, नंदे साहू, संजय श्रीवास्तव, चन्नी वर्मा, अमर गिदवानी, गीता रेड्डी, सुभाष अग्रवाल, शंकर शर्मा, प्रणीत जैन सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. मुखर्जी ने अखंड भारत की संकल्पना को साकार करने अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया : देव

भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को पूरे प्रदेश में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान जिवस पर विभिन्न कार्यक्रम रखकर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया और उनके बताए मार्ग पर चलकर शक्तिशाली, समृद्धशाली और स्वाभिमानी भारत के संकल्प को पूर्ण करने की प्रतिबद्धता दुहराई। भाजपा प्रदेश कार्यालय में डॉ. मुखर्जी की पुण्यतिथि पर कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित स्मृति मंदिर में उनकी प्रतिमा पर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, पूर्व विधायक लाभचंद बाफ्ना, शंभू गुप्ता, किरण बघेल सहित पदाधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में भाजपा केंद्र सहित अनेक राज्यों में सत्तासीन है जो हमारे महापुरुषों की तपस्या व बलिदान के कारण ही संभव हो पाया है। डॉ. मुखर्जी के आदर्शों को अपनाकर उनके विचारों को साकार रूप प्रदान करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। श्री देव ने कहा कि जिस प्रकार लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने खंड-खंड हो रहे देश को अखंड बनाया, उसी प्रकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अखंड भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया। डॉ. मुखर्जी केवल राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं थे। उनके जीवन से ही राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को सीख लेनी चाहिए। उनका स्वयं का जीवन प्रेरणादायी, अनुशासित तथा निष्कलंक था। राजनीति उनके लिए राष्ट्र की सेवा का साधन थी। डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रनीति के लिए राजनीति में पदार्पण किया। वे देश की सत्ता चाहते तो थे, किंतु उनका विचार था कि सत्ता उनके हाथों में जानी चाहिए, जो राजनीति का उपयोग राष्ट्रनीति के लिए कर सकें। आज केंद्र समेत विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा उनके आदर्शों से अनुप्राणित होकर कार्य कर रही है।

भाजपा जिला कार्यालय (एकात्म परिसर) में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, विधायक सुनील सोनी, राजीव अग्रवाल और शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन शहर जिला महामंत्री सत्यम दुवा ने किया। इस अवसर पर छगनलाल मूंदड़ा, अमरजीतसिंह छाबड़ा, पूर्व जिला अध्यक्ष जयंती पटेल, सुभाष अग्रवाल, पूर्व विधायक द्वय नन्दे साहू व श्रीचंद सुन्दरानी, किशोर महानन्द, सच्चिदानंद उपासने, सुभाष तिवारी, नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, वक्फबोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज सहित वरिष्ठ भाजपाजन मौजूद रहे।

जैन मंदिर के पुजारी सहित 12 लोगों को दी बीपी शुगर टेस्टिंग मशीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरोनाकाल के पश्चात सामान्यत: परिवारों में ब्लड प्रेशर व शुगर की बीमारियों ने अनेक जानें ली है। ब्लड प्रेशर कम ज्यादा होना जीवन के लिए घातक हो जाता है। घरों में बी पी मशीन होने से तुरंत प्रारम्भिक इलाज कर जान बचाई जा सकती है , जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा जैन साधर्मिक परिवारों के लिए स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना चलाई जा रही है।

स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना में 2500 रुपये की सहयोग राशि प्रदान कर एक साधर्मिक परिवार के सजग प्रहरी बन सकते हैं। आज योजना के अंतर्गत जैन मंदिर के पुजारी द्वारका तिवारी को बी पी मशीन प्रदान की गई। पुजारी जैन मंदिरों की व्यवस्था में अहम भूमिका निभाते हैं। जैन संवेदना ट्रस्ट इनके स्वास्थ्य का ध्यान रखने में सहभागिता निभाता है। इस योजना के अंतर्गत बी पी व शुगर जांच की अभी तक 235 मशीनों का वितरण किया गया।

जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि नौकरीपेशा व मध्यमवर्गीय जैन परिवारों को आवश्यकता अनुसार 1 ब्लड प्रेशर मशीन व 1 शुगर टेस्टिंग इक्यूपमेंट दिया जा रहा है। जून माह में जिन परिवारों में ब्लड प्रेशर व शुगर से पीड़ित परिजन हैं ऐसे 12 जैन परिवारों को मशीन वितरित की गई है। कोचर व चोपड़ा ने बताया कि जुलाई माह में 20 परिवारों को और मशीन दी जावेगी। जिन साधर्मिक भाई बहनों के परिवार में ब्लड प्रेशर व शुगर के मरीज हों वे संपर्क कर नाम दर्ज करवा सकते हैं। जैन संवेदना ट्रस्ट के चन्द्रेश शाह व महावीर कोचर ने बताया कि संस्था द्वारा शुगर इक्यूपमेंट के साथ एक पैकेट जांच पट्टी भी दी जा रही है , आगे जांच पट्टी स्वयं को लेनी होगी।

चन्द्रेश शाह ने आगे बताया कि जरूरत होने पर ब्लड प्रेशर व शुगर जांच करने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। वितरण अवसर पर महेन्द्र कोचर, विजय चोपड़ा, ओमप्रकाश बरलोटा उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा विगत दिनों में साधर्मिक स्वावलंबन योजना के अंतर्गत व्यवसाय में सहयोग किया जा रहा है व सुकन्या विवाह योजना पर कार्य किया जा रहा है।

पश्चिम विधानसभा लिखेगा विकास का नया अध्याय: विधायक राजेश मूणत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा के कार्यकर्ताओं की बैठक में संबोधित करते हुए विधायक राजेश मूणत कहा रायपुर पश्चिम विधानसभा में संगठनात्मक कार्यक्रम हो या फिर जनहित के कार्य हों भाजपा कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से विकास का नया अध्याय लिखा जायेगा। भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में रायपुर पश्चिम विधानसभा की बैठक में राजेश मूणत ने कार्यकर्ताओं को पार्टी के द्वारा दिए गए कार्यक्रमों की एक ओर जहां समीक्षा की वही आगामी कार्यक्रमों को लेकर जिम्मेदारी में तय किये।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 11 वर्षों में किये गए उल्लेखनीय कार्यों को जन-जन तक पहुचाने के लिए शक्तिकेंद्र एवं बूथों तक योजना रचना बनाई गई। हर

शक्तिकेंद्रों में वार्डों में सभाएं करके लोगों को एक ओर जहाँ केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी वही दूसरी ओर विगत 11 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा लिए गए एतिहासिक निर्णयों को लेकर जनता के बीच जायेंगे। इसके लिए भी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने बैठक में उपस्थित पार्षदों को भी उनके नैतिक जिम्मेदारियों का एहसास कराते हुए कहाँ की जनता ने उन्हें कार्य करने के लिए उम्मीदों के साथ चुनकर भेजा है। ना केवल चुना है बल्कि भारी मतों से विजयी बनाया है ऐसे में आपकी हम सबकी जिम्मेदारी है की हम जनता के विश्वास पर खरा उतरें। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जब 18 घंटे काम करके देश सर्वोच्च शिखर पर पहुचाने के लिए रातदिन एक कर रहे है। विभिन्न विषम परिस्थितयों के बाद भी देश आज विश्व पटल पर स्थापित हुआ है तो यह हमारे नेतृत्व की छमता है उनकी दूर दृष्टी है, देश को परम वैभव पर पहुचाने के लिए लक्ष्य तय किया हुआ है ऐसे में आप और हम अपनी दायित्वों से कैसे विमुख हो सकते है।

इस अवसर है कि हम अपने वार्ड को, अपने विधानसभा को, रायपुर को स्वच्छ सुन्दर और विकसित करें। रायपुर को राजधानी के अनुरूप पुरे देश में स्थापित करने की हम सबकी जवाबदारी है। रायपुर पश्चिम विधानसभा निश्चित रूप से पूरे प्रदेश में अपनी अलग छाप छोड़ेगा। शासन के विभिन्न योजनाओं को कैसे हम अपने क्षेत्र में लागू करवा सकते है इस क्षेत्र में लगातार चिंतन-मनन एवं क्रियान्वयन की दिशा में कार्य करना है और पश्चिम को आदर्श विधानसभा के रूप में स्थापित करना है।

डॉ. श्यामा मुखर्जी की पुण्यतिथि पर सभापति राठौड़ ने किया रक्तदान

रायपुर। पूर्व केन्द्रीय मन्त्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर रायपुर नगर पालिक निगम के सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने जयस्तम्भ चौक के समीप रखे गए रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदान किया। सभापति ने युवाओं से अपील की कि वे अधिकाधिक रक्तदान करें और जरूरतमंदों को जीवनदान देने का कार्य करने का संकल्प लेवें।

आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर में रोजगार व उद्योग को समर्पित पांच नये कोर्स प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर ने सोमवार को रायपुर प्रेस क्लब में रोजगार - केंद्रित और उद्योग को समर्पित पांच नये कोर्स बीबीए इन बैंकिंग एंड फाइनेंस, बीबीए इन सप्लाई चेन एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बी.टेक सीएसई इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग, बी.टेक सीएसई इन डेटा साइंसेस और बी. एससी इन होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट शुरु करने की घोषणा की। नए कोर्स अगले शैक्षणिक सत्र से शुरू होंगे। प्रवेश के लिए आवेदन शुरू हो चुके हैं।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रो-वाइस चांसलर श्रीमती लक्ष्मी मूर्ति और ग्रुप डायरेक्टर धरमवीर धीर ने बताया कि बीबीए इन सप्लाई चेन एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के लिए छात्र-छात्राओं को सालाना 1 लाख रुपये और सभी चार कोर्सों के लिए उन्हें 1

लाख 20 हजार रुपये सालाना देगा होगा। हर साल यहां 800 से अधिक बच्चे एडमिशन लेते है जिनमें से 450 से अधिक बच्चों को स्कॉलरशिप का लाभ मिलता है। जब से हम छत्तीसगढ़ में आए है तब से देख रहे हैं कि अधिकांश विश्वविद्यालयों में 25 से 30 कोर्स पढ़ाया जाता है कि लेकिन आईटीएम यूनवर्सिटी में 12 से 15 कोर्स ही पढ़ाई जाती है जिसमें से भी अधिकांश बच्चों का सलेक्शन पढ़ाई करते -करते ही जॉब के लिए हो जाता है। इस वर्ष बैंकिंग के क्षेत्र मे पढ़ाई कर रहे 10 बच्चों को 5 लाख रुपये पैकेज का ऑफर प्राप्त मिल चुका है । वहीं 7 बच्चे विदेश में नौकरी कर रहे है, उन्हें अभी 20 से 25 लाख रुपये सालाना मिल रहा है।

इन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को ऐसी शिक्षा देना है जो सीधे इंडस्ट्री की मांगों से जुड़ी हो। हमारा जोर थ्योरी नहीं, बल्कि एप्लाइड लर्निंग और प्रैक्टिकल स्किल्स पर है। यह सभी कोर्स केवल उन्हीं क्षेत्रों पर केंद्रित हैं जहाँ उद्योगों को कुशल पेशेवरों की तत्काल आवश्यकता है। यह कोर्सेज उद्योग विशेषज्ञों के साथ मिलकर डिज़ाइन किए गए हैं ताकि छात्रों को भविष्य के लिए पूरी तरह तैयार किया जा सके। धरमवीर धीर ने कहा कि हम सिर्फ वही कोर्स शुरू करते हैं जो छात्रों को आत्मनिर्भर और प्रोफेशनल बनाएं। हर प्रोग्राम तीन सिद्धांतों पर आधारित है - इंडस्ट्री की जरूरतें, कौशल विकास और रोजगार की गारंटी। ये नए कोर्स उसी विजन का प्रतिबिंब हैं।

ओपन स्कूल की परीक्षाएं 18 अगस्त से

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर द्वारा अगस्त-सितम्बर 2025 सत्र की हाईस्कूल और हायर सेकंडरी ओपन परीक्षाओं की तिथियां घोषित कर दी गई हैं। जारी आदेश के अनुसार, परीक्षा 18 अगस्त 2025 से शुरू होकर 03 सितम्बर 2025 तक आयोजित की जाएगी। हायर सेकंडरी (12वीं) की परीक्षाएं 18 अगस्त से 03 सितम्बर तक और हाईस्कूल (10वीं) की परीक्षाएं 18 अगस्त से 01 सितम्बर 2025 तक संपन्न होंगी। परीक्षाएं प्रात: 8:30 बजे से 11:45 बजे तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा समय-सारणी की जानकारी अपने समीपस्थ अध्ययन केंद्र से संपर्क कर प्राप्त करें अथवा छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल की आधिकारिक वेबसाइट www.sos.cg.nic.in से डाउनलोड कर लें।

फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में हुई नीरू बाजवा एंट्री, निभाएगी अजय देवगन की पत्नी का किरदार

अजय देवगन पिछली बार फिल्म रेड 2 में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया था। अब अजय जल्द ही फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म में अजय के साथ मृणाल ठाकुर नजर आएंगी, लेकिन क्या आप जानते हैं फिल्म में अजय की पत्नी की भूमिका निभाने के लिए किसी और अभिनेत्री को चुना गया है।

सन ऑफ सरदार 2 में अजय की पत्नी की भूमिका मृणाल नहीं, बल्कि पंजाबी अभिनेत्री नीरू बाजवा निभाने वाली हैं। इससे पहले नीरू ने मिले ना मिले हम, मैं सोलह बरस की, प्रिंस और फूंक 2 जैसी हिंदी फिल्मों में काम किया है। बता दें नीरू को सरदारजी, जट्ट एंड जूलियट और शुक्राना जैसी पंजाबी फिल्मों के लिए जाना जाता है। अब नीरू फिल्म सरदारजी 3 में नजर आएंगी। उनकी यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सन ऑफ सरदार 2 को 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। विजय कुमार अरोड़ा ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। अजय इस फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर कर रहे हैं। बता दें कि सन ऑफ सरदार 2 साल 2012 में आई फिल्म सन ऑफ सरदार का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। अश्वनी धीर इस फिल्म के निर्देशक हैं। फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

अभिषेक बच्चन को एक बच्चे से मिली जिंदगी की बड़ी सीख जूनियर बच्चन की कालीधर लापता का शानदार ट्रेलर रिलीज

अभिषेक बच्चन इन दिनों रियलिस्टिक सिनेमा में पकड़ बना रहे हैं और लोग उन्हें इस तरह के रोल में पसंद भी करते हैं। उनकी पिछली दो फिल्में आई वांट टू टॉक, और बी हैप्पी बहुत ही सिंपल और आम लोगों से जुड़ने वाली कहानियां थीं। जिनमें उनका आम सा दिखने वाला कैरेक्टर जिंदगी की बड़ी सीख दे जाता है। इन दोनों ही फिल्मों को लोगों ने पसंद किया, खासकर अभिषेक की एक्टिंग को सराहना मिली। अब एक बार फिर से जूनियर बच्चन एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो आपके दिल को छू जाएगी। फिल्म का नाम है- कालीधर लापता, इसकी एक झलक आप इसके ट्रेलर में देख सकते हैं।

अभिषेक बच्चन स्टारर कालीधर लापता का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया। फिल्म का ट्रेलर शानदार और दिल को छूने वाला है। क्योंकि अभिषेक इस फिल्म में किसी नामी आदमी या ओवर अचीवर से नहीं बल्कि एक बच्चे से जिंदगी जीना सीख रहे हैं। दरअसल किसी वजह से परेशान होकर अभिषेक का किरदार कालीधर अपना घर छोड़कर चला जाता है, बाहर उसे एक 12-13 साल का बच्चा मिलता है जो उसे जिंदगी की छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढना सीखाता है। साथ ही उसे खुद के लिए जीने के लिए इंस्पायर करता है। कालीधर के घरवाले उसे ढूंढने की कोशिश करते हैं लेकिन वह यह जानते हुए भी घर नहीं जाना जाता है।

तो कैसे एक अपनो को छोड़कर एक अजनबी बच्चे संग कालीधर अपनी एक अलग दुनिया बसाता है यही उसकी कहानी है। ट्रेलर में कई ऐसे डायलॉग हैं जो दिल को छूते हैं जैसे बच्चा कहता है- हर रिश्ते की एक एक्सपायरी डेट होती है, अब से अपने लिए जीना सीखो, वो करो जो तुम्हारा मन करे। जिसके बाद कालीधर हर वो छोटी छोटी चीजें करता है जो वो कभी करना चाहता था।

ट्रेलर में कॉमेडी, ड्रामा, सस्पेंस, इमोशन सबकुछ देखने को मिलेगा। अभिषेक ने अपने एक्स हैंडल पर ट्रेलर शेयर करते हुए कहा, कभी-कभी लाइफ में दूसरा मौका मिलने लगता है और यही वह समय होता है जब सबसे अलग एक्सपीरियंस और रिश्ते बनते हैं। उन्होंने फिल्म को एक दिल को छू लेने वाली स्लाइस-ऑफ-लाइफ फिल्म भी कहा।

कहानी, म्यूजिक और डायलॉग के साथ फिल्म की कास्ट भी बेहतरीन है। अभिषेक बच्चन, कालीधर का किरदार निभा रहे हैं वहीं दैविक बगेला (बल्लू) और जीशान अय्युब अहम रोल में हैं। फिल्म को मधुमिता ने निर्देशित की है और जी स्टूडियो ने प्रोड्यूस की है। कालीधर लापता 4 जुलाई को जी5 पर प्रीमियर होने वाली है। अभिषेक हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आए जो अभी सिनेमाघरों में चल रही है।

नताशा स्टेनकोविक ने बोल्ड फोटोशूट से मचाया तहलका

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की एक्स वाइफ और एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक अक्सर अपने लुक को लेकर सुर्खियों में आ जाती हैं। जी हां, वो आए दिन अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं और छा जाती हैं। इसी बीच अब उन्होंने अपनी कुछ ऐसी फोटोज शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस भी हैरान रह गए हैं। तो चलिए उनके नए लुक के बारे में आपको भी बताते हैं।

दरअसल, नताशा स्टेनकोविक ने हाल ही में एक फोटोशूट कराया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया जमकर वायरल हो रही रही हैं। जी हां, अपनी इन तस्वीरों से एक्ट्रेस हर तरफ छा गईं हैं। इन तस्वीरों में नताशा ब्लैक कलर की स्पोर्ट्स ब्रा और ब्लू कलर की डेनिम पहने दिखाई दे रही हैं। मिनिमल मेकअप और खुले बालों में नताशा बेहद स्टनिंग दिख रही हैं। वहीं इस दौरान नताशा ने अपनी जीन्स की चेन खोलकर जमकर पोज दिए। ऐसे में अब उनकी इन तस्वीरों को देखने के बाद नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल कर दिया है।

जहां कुछ फैंस नताशा की फोटोज देखकर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो उनकी जीन्स की चेन खुली देखकर उनपर भड़क गए हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, छुपाना भी नहीं आता, दिखाना भी नहीं आता। एक दूसरे शख्स ने कमेंट किया- ये कौन सा पोज है भाई। इसके अलावा, एक यूजर ने लिखा- चड्डी दिखाने का ट्रेंड बना लिया क्या। इसके अलावा एक यूजर ने कहा- थोड़ी तो शर्म कर लो।

भारतीय सिनेमा में पहली बार एक सीए की जिंदगी पर बनी फिल्म वेल डन सीए साहब

भारतीय सिनेमा के 100 वर्षों के इतिहास में पहली बार कोई फिल्म एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की जिंदगी पर आधारित है। न कोई बड़ा सुपरस्टार, न करोड़ों की मार्केटिंग फिर भी यह फिल्म चर्चा में है। जुनून और ईमानदारी के साथ बनी यह फिल्म है 'वेल डन सीए साहब', जो 27 जून, 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

यह फिल्म सिर्फ एक और कंटेंट वाली फिल्म नहीं है, बल्कि उन लाखों युवाओं को श्रद्धांजलि है जो दिन-रात सीए बनने की कठिन जंग लड़ते हैं। परीक्षा के दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और आत्म-संदेह की लड़ाई इस फिल्म में हर एक भावना को सजीव किया गया है। इस फिल्म को लिखा और प्रोड्यूस किया है एक वास्तविक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने-सीए आदित्य त्रिवेदी ने। जब बाकी सीए टैक्स और बैलेंस शीट में उलझे रहते हैं, तब आदित्य ने अपने अनुभवों को कहानी में ढालकर 'कथा' बना दी। निर्देशन और एडिटिंग की कमान संभाली है सर्वेश कुमार सिंह ने।

गोपाल दत्त -जो अपने सहज अभिनय से हर किरदार में जान डालते हैं

सयानदीप सेनगुप्ता, निश्मा सोनी, ज्योति कपूर, गौरव पासवाला, हर किरदार इतना सटीक है, जैसे टीडीएस रिटर्न में पैन नंबर फिट हो जाए! फिल्म के संगीतकार हैं संचित बलहारा, जो बाजीराव मस्तानी जैसे प्रोजेक्ट्स से पहचान बना चुके हैं। साउंड डिजाइन की जिम्मेदारी संभाली है समीरन दास ने जो पठान जैसी बड़ी फिल्मों में भी धमाल मचा चुके हैं। 'वेल डन सीए साहब' की शूटिंग दिल से और दिल के आसपास हुई है मतलब लोकेशंस में वही रॉ, देसी टच है जो इसे जमीन से जोड़ता है। फिल्म को फिगर्स एंड फ्रेम्स एलएलपी ने प्रोड्यूस किया है, और इसमें इंडी प्रोडक्शंस का खास सहयोग रहा है।

पिंक शिमरी कटआउट ड्रेस में कंगना शर्मा ने बिखेरा हुस्न का जलवा

एक्ट्रेस और मॉडल कंगना शर्मा ने एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। हाल ही में उन्होंने पिंक शिमरी कटआउट ड्रेस में अपनी कुछ बेहद स्टनिंग तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो गईं।

इस बोल्ड ड्रेस में उनका स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट अवतार फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इस पिंक बॉडीकॉन ड्रेस में मोतियों और शाइनी डिटेलिंग के साथ वन-शोल्डर डिज़ाइन और कटआउट पैटर्न उनके ग्लैमर को और भी बढ़ा रहा है। कंगना ने अपने लुक को मिनिमल ज्वेलरी, न्यूड पिंक मेकअप और सॉफ्ट वेव हेयरस्टाइल से कंप्लीट किया है। उनके इस ग्लैम लुक को सोशल मीडिया यूजर्स से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक यूज़र ने लिखा -दिवा , तो दूसरे ने कहा -बहुत सुन्दर चित्र कंगना दीदी जी।

कंगना शर्मा हमेशा से ही अपने बोल्ड फैशन चॉइस और स्टाइलिश अपीयरेंस को लेकर चर्चा में रहती हैं। उनका यह लेटेस्ट लुक इस बात का प्रमाण है कि वह किसी भी रेड कार्पेट या फोटोशूट को अपने आत्मविश्वास और ग्रेस से चमका सकती हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कंगना शर्मा म्यूजिक वीडियो और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में सक्रिय हैं और अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस का दिल जीत रही हैं। उनका यह स्टनिंग लुक एक बार फिर साबित करता है कि वह फैशन और फोटोजेनिक अपील के मामले में पीछे नहीं हैं।

रोजाना एक गिलास लीची का जूस पीना है फायदेमंद, जानिए इसके फायदे

लीची का जूस स्वादिष्ट होने के साथ-साथ कई पोषक तत्वों से भरा होता है, जो शरीर को कई समस्याओं से बचाने में मदद कर सकते हैं। यह विटामिन-सी, विटामिन-बी, पोटेशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम जैसे खनिजों का अच्छा स्त्रोत है। साथ ही इसमें शरीर को स्वस्थ रखने वाले गुण भी होते हैं। आइए आज हम आपको लीची के जूस के सेवन से मिलने वाले फायदे बताते हैं, जिन्हें जानने के बाद आप इसे अपनी डाइट में शामिल करने लगेंगे।

पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में है सहायक

लीची का जूस पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। एक शोध के अनुसार, लीची के जूस में मौजूद तत्व पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं। यह कब्ज, गैस, पेट फूलना और अपच जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। लाभ के लिए रोजाना एक गिलास लीची का जूस पिएं और इसे अपने आहार का हिस्सा बनाएं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को दे सकता है मजबूती

लीची का जूस विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। एक शोध के अनुसार, विटामिन-सी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है और संक्रमण से लड़ने की शक्ति बढ़ा सकता है। इसके अतिरिक्त इसमें शरीर को स्वस्थ रखने वाले गुण होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रख सकते हैं।

वजन घटाने में है प्रभावी

अगर आप बढ़ते वजन को नियंत्रित करना चाहते हैं तो इसके लिए भी लीची का जूस पीना फायदेमंद हो सकता है। इसका कारण है कि इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करने में मदद कर सकते हैं। एक शोध के अनुसार, लीची का जूस शरीर में चर्बी को कम करने और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

पानी की कमी से बचाने में है कारगर

गर्मियों में पानी की कमी का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन लीची के जूस का सेवन इससे बचाव कर सकता है। इसमें भरपूर मात्रा में पानी मौजूद होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो पसीने के जरिए खोए नमक और खनिजों की कमी को दूर करने में सहायक हो सकते हैं।

वॉटर रिटेंशन की समस्या को दूर करने में सहायक हैं ये 5 खाद्य पदार्थ

वॉटर रिटेंशन एक ऐसी समस्या है, जिसमें शरीर के ऊतकों में अतिरिक्त पानी जमा हो जाता है। इससे सूजन और असुविधा हो सकती है। यह स्थिति खासकर गर्भावस्था, मासिक धर्म और कुछ बीमारियों के दौरान होती है। सही आहार से इस समस्या को कम किया जा सकता है। इस लेख में हम आपको पांच ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताएंगे, जो वॉटर रिटेंशन को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

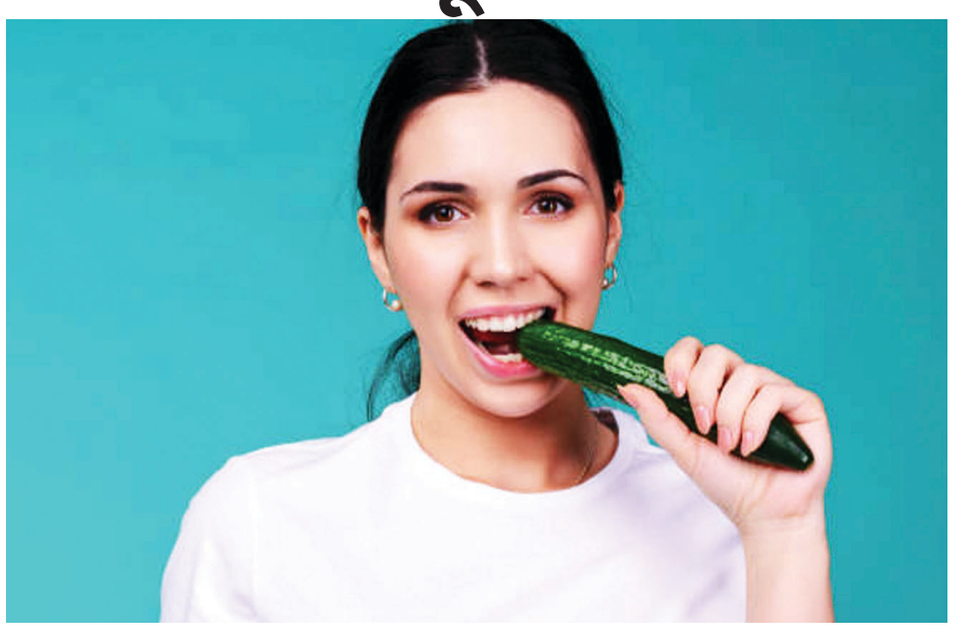

खीरा

खीरा एक ताजगी भरा फल है, जिसमें बहुत अधिक मात्रा में पानी और कम कैलोरी होती हैं। इसमें पोटेशियम भी होता है, जो शरीर से अतिरिक्त नमक निकालने में मदद करता है। यह शरीर को पानी की कमी से बचाने और त्वचा को निखारने में भी सहायक है। खीरे का सेवन सलाद या नाश्ते के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा खीरे का जूस भी पी सकते हैं, जिससे शरीर को ठंडक मिलती है।

तरबूज

तरबूज गर्मियों का एक लोकप्रिय फल है, जिसमें बहुत अधिक पानी होता है। यह शरीर को तरोताजा रखने के साथ-साथ पोटेशियम और विटामिन-सी भी प्रदान करता है। इसमें कम कैलोरी होती हैं, जिससे वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है। तरबूज का सेवन सलाद या रस के रूप में किया जा सकता है, जिससे शरीर को ठंडक मिलती है और वॉटर रिटेंशन कम होता है। इसके अलावा यह पाचन तंत्र को भी सुधारता है।

केले

केला एक पोषक तत्वों से भरपूर फल है, जो पोटेशियम का अच्छा स्रोत होता है। पोटेशियम नमक के प्रभाव को संतुलित करता है, जिससे वॉटर रिटेंशन कम होता है। केले में विटामिन-बी6 भी होता है, जो पाचन क्रिया को सुधारता है और सूजन को कम करता है। इसका नियमित सेवन शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और थकान दूर करता है। इसलिए इसे अपनी खान-पान में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

योगर्ट

योगर्ट में ऐसे तत्व होते हैं, जो पाचन क्रिया को सुधारते हैं और सूजन को कम करते हैं। इसमें कैल्शियम भी होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है और मांसपेशियों की थकान दूर करता है। योगर्ट का नियमित सेवन आपके पेट को स्वस्थ रखता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। इसके अलावा योगर्ट का सेवन त्वचा की चमक बढ़ाने में भी मदद करता है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं।

अदरक

अदरक एक ऐसा मसाला है, जिसका उपयोग कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज में किया जाता है। यह सूजन को कम करने वाले गुणों से भरपूर होता है, जो सूजन को कम करते हैं और पाचन क्रिया को सुधारते हैं। अदरक का सेवन चाय या खाने में किया जा सकता है, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और वॉटर रिटेंशन कम होता है। इसके अलावा अदरक का सेवन त्वचा की चमक बढ़ाने में भी मदद करता है।

'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' - डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गुंजायमान आह्वान को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली (पीआईबी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, यह हमारे देश के इतिहास का एक महान दिन है। हमारे देश के सबसे बेहतरीन सपूतों में से एक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस है। उन्होंने नारा दिया था एक विधान, एक निशान और एक प्रधान ही होगा, देश में दो नहीं होंगे। उन्होंने यह 1952 में जम्मू-कश्मीर के आंदोलन में कहा था। श्री धनखड़ ने आगे कहा, हम लंबे समय तक अनुच्छेद 370 से परेशान रहे। इसने हमें और जम्मू-कश्मीर को नुकसान पहुंचाया। अनुच्छेद 370 और सख्त कानून के अनुच्छेद 35ए ने लोगों को उनके बुनियादी अधिकारों और मौलिक अधिकारों से वंचित किया। हमारे पास एक दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह हैं।

अनुच्छेद 370 अब हमारे संविधान में मौजूद नहीं है। इसे 5 अगस्त 2019 को निरस्त कर दिया गया और 11 दिसंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट में कानूनी चुनौती विफल हो गई। अपने देश के सबसे बेहतरीन सपूतों में से एक को श्रद्धांजलि देने के लिए इससे अधिक उपयुक्त स्थान मेरे पास और कोई नहीं हो सकता। उन्हें मेरी श्रद्धांजलि।

उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा आयोजित कुलपतियों के 99वें वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय सम्मेलन (2024-2025) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, श्री धनखड़ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए कहा, मुझे आपके साथ कुछ ऐसा साझा करना है, जो 3 दशकों से अधिक समय के बाद हुआ है, जिसने वास्तव में हमारी शिक्षा के परिदृश्य को बदल दिया है। मैं 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' 2020 का संदर्भ दे रहा हूं। पश्चिम बंगाल राज्य के राज्यपाल के रूप में, मैं इससे जुड़ा था। इस नीति के बदलाव में हजारों लोगों ने अपना सहयोग दिया।

यह नीति हमारी सभ्यतागत भावना, सार और लोकाचार के साथ प्रतिध्वनित होती है। यह देश की इस शाश्वत मान्यता की पुष्टि करता है कि शिक्षा से न केवल कौशल प्राप्त करना है, बल्कि स्वयं को जागृत करना है।

मेरा दृढ़ विश्वास है शिक्षा समानता लाने वाली है। शिक्षा ऐसी समानता लाती है जो कोई अन्य तंत्र नहीं ला सकता। शिक्षा असमानताओं को खत्म करती है। वास्तव में, शिक्षा लोकतंत्र को जीवन देती है।

उत्तर प्रदेश सरकार को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश सरकार को मेरी बधाई। मुख्यमंत्री ने एक बेहतरीन पहल की है। आईटी को 'उद्योग का दर्जा' दिया गया। इसका सकारात्मक विकास पर बहुत बड़ा असर पड़ा है। एक और पहलू जिसके लिए उत्तर प्रदेश को तेजी से पहचान मिल रही है, वह है स्कूली शिक्षा का स्तर। प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही इसकी पहचान बन रही है। देश की राष्ट्रीय प्रगति की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, देश अवसरों, उद्यमिता, स्टार्टअप और नवाचार के रूप में उभरा है। हर उस पैरामीटर पर जहां वृद्धि और विकास को मापा जा सकता है, हम आगे बढ़ रहे हैं। विश्वविद्यालयों की भूमिका पर उपराष्ट्रपति ने जोर देते हुए कहा, हमारे विश्वविद्यालय केवल डिग्री बांटने के लिए नहीं हैं। विश्वविद्यालयों को विचारों, कल्पनाओं और नवाचार का केंद्र होना चाहिए। इन स्थानों को बड़े बदलाव को गति देनी चाहिए।

यह जिम्मेदारी विशेष रूप से कुलपतियों और सामान्य रूप से शिक्षाविदों पर है। मैं आपसे अपील करता हूं कि असहमति, वाद-विवाद, संवाद और चर्चा के लिए जगह होनी चाहिए। इससे मस्तिष्क की कोशिकाएं सक्रिय होती हैं। अभिव्यक्ति, वाद-विवाद ङ्क ये हमारी सभ्यता, हमारे लोकतंत्र के अविभाज्य पहलू हैं।

ज्ञान के क्षेत्र में देश की अग्रणी भूमिका की संभावना पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, जब आप दुनिया को देखेंगे, तो आपको इसका महत्व समझ में आएगा। शिक्षा की स्थिति न केवल शिक्षाविदों की स्थिति को परिभाषित करती है, बल्कि राष्ट्र की स्थिति को भी परिभाषित करती है। हम पश्चिमी नवाचार के छात्र नहीं बने रह सकते, जब हमारी जनसांख्यिकीय लाभ की स्थिति दुनिया के ज्ञान के केंद्र के रूप में कही जाती है। और जब हम अपने प्राचीन इतिहास को देखते हैं, तो हमें अपने समृद्ध अतीत की याद आती है। अब समय आ गया है कि भारत को विश्वस्तरीय संस्थान बनाने चाहिए, न केवल पढ़ाने के लिए, बल्कि अग्रणी होने के लिए। ये केवल अनुशासन नहीं हैं। ये आने वाले समय में हमारी संप्रभुता के आश्वासन के केंद्र हैं।

उच्च शिक्षा के न्यायसंगत विस्तार का आह्वान करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, हमारे बहुत से संस्थान ब्राउन-फील्ड बने हुए हैं। आइए हम वैश्विक रफ़्तार के साथ चलें। ग्रीनफील्ड संस्थान ही समान वितरण लाते हैं। महानगरों और श्रेणी-1 शहरों में क्लस्टरीकरण है। कई क्षेत्र अछूते रह गए हैं। आइए ऐसे क्षेत्रों में ग्रीनफील्ड संस्थानों की स्थापना करें। कुलपति न केवल निगरानीकर्ता हैं, बल्कि शिक्षा के वस्तुकरण और व्यावसायीकरण के खिलाफ अभेद्य सुरक्षा कवच भी हैं। हमारा एक मूलभूत उद्देश्य आम लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सामर्थ्य और पहुंच सुनिश्चित करना है। उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व स्थापित करने के आह्वान के साथ अपने संबोधन का समापन करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, उभरते क्षेत्रों - कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, जलवायु प्रौद्योगिकी, क्वांटम विज्ञान, डिजिटल इथिक्स - में बेजोड़ उत्कृष्टता के संस्थान स्थापित करें ङ्क फिर देश नेतृत्व करेगा, अन्य देश उसका अनुसरण करेंगे। यह एक चुनौती है। शिक्षा सिर्फ़ जनहित के लिए नहीं है। यह हमारी सबसे रणनीतिक राष्ट्रीय संपत्ति है। यह न सिर्फ़ बुनियादी ढांचे या अन्य किसी मामले में हमारी विकास यात्रा से जुड़ी है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का भी आश्वासन देती है। दोस्तों, मैं शिक्षाविदों के सामने हूँ और इसलिए मैं आपके विश्लेषण के लिए अपनी विचार प्रक्रिया को थोड़ा और आलोचनात्मक रूप से प्रकट करूँगा। असंभव विकल्प हमारे चरित्र और ताकत को परिभाषित करते हैं। हमें आसान रास्ता नहीं अपनाना चाहिए। असंभव विकल्प यह परिभाषित करते हैं कि हमारे पास वास्तव में एक महान विरासत है। आसान रास्ता अपनाने का मतलब है सामान्यता में जाना, और फिर अप्रासंगिकता और महत्वहीनता में जाना। विश्वविद्यालय ऐसे विकल्प बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। वे मस्तिष्क तैयार करते हैं। वे लोगों को साहसी बनने के लिए तैयार करते हैं - असंभव विकल्प चुनने के लिए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा, एमिटी एजुकेशन एंड रिसर्च ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान, एआईयू के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक, एआईयू की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

बस्तर के सुदुर अंचलों के अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में भी पक्के आवास का सपना हो रहा है साकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर के सुदुर अंचलों के अति संवेदनशील क्षेत्रों में भी ग्रामीणों का पक्के आवास का सपना साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना से कांकेर जिले के विकासखंड कोयलीबेड़ा के संवेदनशील क्षेत्रों में भी अब सकारात्मक बदलाव दिखने लगा है। अंदरूनी गांवों में भी ग्रामीणों के पक्के आवास का सपना सच होता दिख रहा है।

कोयलीबेड़ा ब्लॉक की सीमा में कोटरी नदी में बारिश का पानी आने से ये गांव पूरी तरह से मुख्य धारा से कट जाते हैं। ऐसे में इन ग्रामों में परिवहन की सुविधा मुहैया नहीं हो पाती। जिला पंचायत के सीईओ श्री हरेश मंडावी ने बताया कि कोयलीबेडा ब्लॉक में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 244 हितग्राहियों को आवास स्वीकृत हुआ है जिनमें 226 हितग्रहियों को प्रथम किश्त की राशि प्राप्त हो चुकी है। निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने हेतु समय-समय पर हितग्राहियों से मिलकर उनका उन्मुखीकरण करते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया गया है।

कांकेर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि इन आवासों में से कुल 43 आवासों में प्लिंथ स्तर तक का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, 40 आवासों में खिड़की स्तर तक का कार्य पूर्ण किया जा चुका हैं, 13 आवासों में दीवार दरवाजा स्तर तक का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, 7 आवासों में दीवार कार्य पूर्ण किया जा चुका एवं इन आवासों में छत ढलाई की तैयारी की जा रही है, 9 आवास ऐसे हैं जिनकी छत पूर्ण हो चुकी है एवं दो आवासों में प्लास्टर का कार्य किया जा रहा है जल्द ही इन आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

उन्होंने बताया कि चूँकि ये पंचायतें सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्र है कोटरी नदी होने के कारण बारिश में ऐसे क्षेत्र में आवाजाही बिल्कुल बंद हो जाती है बारिश में आवास निर्माण कार्य में कोई रुकावट न हो, इस आशय से योजना बनाकर हितग्राहियों का उन्मुखीकरण कर सभी को नदी में बारिश के पानी के कारण के रास्ता बंद हो जाने के पूर्व आवश्यक निर्माण सामग्री को एकत्र करने हेतु प्रेरित करते हुए निर्माण सामग्री एकत्र करने में सहयोग किया गया जिससे 74 ऐसे आवास जिनमे केवल नीव कार्य पूर्ण हुआ था उनमे से 70 आवास में निर्माण सामग्री एकत्र कर लिया गया है। ऐसे क्षेत्र में राज मिस्त्रियों की कमी को देखते हुए आवास टोली के निर्माण हेतु इच्छुक युवाओं को जो राज मिस्त्री का कार्य सीखना चाहते हैं उसके लिए भी प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि आवास टोली का निर्माण कर मिस्त्री ट्रेनिंग देते हुए आवास पूर्ण करने के साथ-साथ नए मिस्त्री कि संख्या में वृद्धि किया जा सके।

पीएम आवास होगा तैयार, हितग्राहियों को मिल रही खुशियां अपार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कई दशक से झोपड़ी में रहते आये फूलदास और उनकी पत्नी गौरी बाई का जल्दी ही नया आशियाना होगा। मजदूरी का काम कर जीवन यापन करने वाले फूलदास को कभी लगता नहीं था कि वे लोग भी पक्का मकान बना पाएंगे, लेकिन पीएम आवास के लिस्ट में नाम अनेंक बाद उनका कभी न पूरा होने वाला सपना हकीकत में बदल गया और खाते में राशि आने के साथ ही पक्के घर की नींव और दीवार खड़ी हो गई। अब आने वाले कुछ दिनों में छत भी ढलने वाला है। अपने सपनो के आशियाने को पूरा होता देख फूलदास और उनकी पत्नी गौरी बाई में खुशी का आलम है।

पाली ब्लॉक के ग्राम परसदा में रहने वाले फूलदास और उनकी पत्नी गौरी बाई ने बताया कि नवंबर 2024 में उनका पीएम आवास स्वीकृत हुआ। आवास स्वीकृति के पश्चात उन्होंने घर निर्माण शुरू किया। जब खाते में पहली किश्त आई तो उन्हें बहुत खुशी हुई। घर निर्माण के लिए सामग्री क्रय करने में आसानी हुई। फूलदास ने बताया कि यह गाँव उनकी जन्मभूमि है। यहाँ लम्बे समय से कच्चे मकान में रहते आये हैं। मकान पक्का नहीं होने का खामियाजा अक्सर सभी को भुगतना पड़ता था। खपरैल से पानी नीचे घर पर टपकता था। हर बारिश से पहले खपरैल को पलटना पड़ता था। उन्होंने बताया कि मिट्टी के घर में बारिश के समय अनेक परेशानी थी। अब हमारा भी घर पक्के ईट से बन रहा है और जल्दी ही छत ढालकर इसे पूरा कर लेंगे। फूलदास और गौरी बाई ने पीएम आवास योजना को गरीबों के लिए वरदान बताते हुए कहा कि इससे हम जैसे गरीबो को पक्का मकान मिला।

डीपीएस की बालिका टीम सिंगापुर में खेलेगी बास्केटबॉल

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव की बालिकाओं की बास्केटबॉल टीम 24 से 29 जून तक सिंगापुर में आयोजित होने जा रहे एनबीए राइजिंग स्टार आमंत्रण बास्केटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए जाएगी। यह टूर्नामेंट एनबीए सिंगापुर द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

एशिया प्रशांत देशों से 12 लड़कों और 12 लड़कियों की हाईस्कूल टीम को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान,

चीन, मंगोलिया, फिलीपींस, इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, सिंगापुर और राष्ट्रीय ए डिवीजन विजेता टीम की सर्वश्रेष्ठ हाई स्कूल टीम को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल प्राचार्या निर्मला सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में एशिया पैसिफिक क्षेत्र की 12-12 देशों की सर्वश्रेष्ठ हाईस्कूल की बालक बालिका टीम भाग ले रही है। राजनांदगांव दिल्ली पब्लिक स्कूल की टीम को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। टीम में अंजली कोडापे (कप्तान), अदिति कोडापे, काम्या झा, रूमी कोनवर, श्वेता सिंह, अंजनी, सोफी सिका, अनुष्का बेनर्जी, केथरिना नाजारथ एवं आर्या विजय अवारे शामिल हैं। डीपीएस की टीम डीपीएस खेलो इंडिया बास्केटबॉल अकादमी राजनांदगांव और सर्वज्ञ राव बास्केटबॉल अकादमी राजनांदगांव के खिलाड़ियों से सुसज्जित है। मुख्य कोच कालवा राजेशवर राव जबकि कालवा राधा राव (कोच) हैं। जबकि मेनेजर मुन्ना लाल जायसवाल है। इस टीम में रेवाडीह वार्ड की प्रतिभाशाली दो बहनें रेवाडीह वार्ड के कोडापे परिवार की दो प्रतिभाशाली बहनें सिंगापुर में आयोजित इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही हैं। दोनों बहनें पूर्व माध्यमिक शाला रेवाडीह में अध्ययनरत थीं।

सरकारी अस्पताल में पूरे लगन और समर्पित होकर कार्य करें: कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिला चिकित्सालय सारंगढ़ के हाल में सिकलसेल प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए। यह प्रशिक्षण विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सों, फार्मासिस्ट, शासकीय बहुद्देशीय कार्यकर्ता आदि के लिए आयोजित किया गया था।

कलेक्टर ने कहा कि सभी सरकारी अस्पताल में कार्यरत सफाईकर्मी से लेकर बड़े डॉक्टर का उद्देश्य सेवा करना है। इसलिए अपने उद्देश्य के अनुरूप पूरी लगन, समर्पण भाव से पूरे सुरक्षा उपकरण, मास्क और दस्ताना के साथ सेवा कार्य करें। किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उनको जिले के दूरस्थ अस्पताल में सेवा देने और दूरस्थ से जरूरतमंद अस्पतालों में पदस्थापना किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ निराला ने कहा कि मरीज को कुछ भी बीमारी का आभास होता तो वो अपने नजदीकी हॉस्पिटल में इलाज कराए। इसके साथ ही घर में आने वाले सर्वेयर, अपने मोहल्ले में आने वाले डॉक्टर आपके द्वार, शिविर आदि में नियमित रूप से जांच कराएं। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू, सीएमएचओ डॉ एफआर निराला, सिविल सर्जन डॉ दीपक जायसवाल, डीपीएम नंदलाल इज़ारदार उपस्थित थे।

मरीज की तबीयत अचानक सीरियस हो जाना, शरीर में बहुत दर्द होना, खांसी, बुखार, सीने में दर्द, ऑक्सीजन और खून का कम होना, अचानक तिल्ली बढ़ जाना, जान को खतरा, ठंडी, गर्मी, इन्फेक्शन, मानसिक टेंशन सहित मरीज के जीवन में अनिश्चितता आदि लक्षण दिखाई देते हैं।

सिकलसेल रोग है तो स्वस्थ जीवनशैली अपनाना महत्वपूर्ण है। आराम करने और तनाव से निपटने की तकनीक सीखकर अपने तनाव का प्रबंधन करें पर्याप्त अच्छी गुणवत्ता वाली नींद लें नियमित रूप से व्यायाम करें, स्वस्थ भोजन करें और हृदय के लिए स्वस्थ आहार का पालन करें, धूम्रपान छोड़ने से रोगी का स्वस्थ जीवनशैली मददगार होगा। सिकल सेल रोग वंशानुगत रक्त विकारों का एक समूह है जो हीमोग्लोबिन को प्रभावित करता है। हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं का वह हिस्सा है जो आपके शरीर में ऑक्सीजन ले जाने के लिए जिम्मेदार होता है। स्थिति में, असामान्य हीमोग्लोबिन के कारण लाल रक्त कोशिकाएं अपने सामान्य गोल आकार के बजाय अर्धचंद्राकार या सिकल आकार की हो जाती हैं। इससे एनीमिया जैसी स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएँ हो सकती हैं। आम तौर पर, एक व्यक्ति को दो बीटा ग्लोबिन जीन विरासत में मिलते हैं। अगर इनमें से किसी एक जीन में सिकल सेल उत्परिवर्तन होता है, तो व्यक्ति को 'सिकल सेल वाहक' माना जाता है।

खगड़िया में 50,000 मीट्रिक टन क्षमता वाले अत्याधुनिक साइलो गोदाम का केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी द्वारा उद्घाटन

नई दिल्ली (पीआईबी)। बिहार के खगड़िया जिले में निर्मित अत्याधुनिक साइलो गोदाम का उद्घाटन आज केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने किया। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा की इस साइलो गोदाम का कुल क्षमता 50,000 मीट्रिक टन है।

साथ ही साथ इस तरह के साइलो गोदाम के निर्माण से कम जगह मे अनाज भंडारण बेहतरीन तरीके से संभव हो पता है। इसके अतिरिक्त अनाज की सुरक्षा भी अत्याधुनिक यंत्रों के उपयोग से कई गुना बढ़ जाती है। इस तरह के गोदाम प्रधानमंत्री के आकांक्षा के अनुरूप है। उन्होंने सम्बद्ध अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से गोदाम के सफल निर्माण के लिए बधाई दिया।

उद्घाटन समारोह के अवसर पर जोशी ने कहा कि यह साइलो पूरी तरह यंत्रीकृत है तथा स्टील से निर्मित है, जिससे कम जगह में अधिक अनाज संग्रहित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस सुविधा में भंडारण के दौरान अनाज खराब नहीं होगा तथा इससे स्टोरेज लॉस में कमी आएगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इस बात का उल्लेख भी किया कि इस तरह के साइलो गोदाम के निर्माण की अवधारणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 2014 मे रखा गया। उन्होंने वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 11 वर्ष के कार्यकाल मे इक्स्ट्रीम पॉवर्टी रेट 27त्न से घटकर लगभग 5त्न ही रह गई है। लगभग 26 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर निकलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कल्याणकारी नीतियों का परिणाम है।

केंदिया मंत्री ने केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का जिक्र करते हुए कहा की इसके तहत लगभग 80 करोड़ देशवाशियों को मुफ़्त अनाज दिए जा रहे हैं। यह संख्या कई यूरोपीय देशों के सामूहिक जनसंख्या से भी ज्यादा है। केन्द्रीय मंत्री ने पीएम सूर्य घर योजना, पीएम कुसुम योजना संबंधी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी नीतियों के वजह से भारत आज सबसे तेजी से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। कल्याणकारी नीतियों की कड़ी मे उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य का उल्लेख करते हुए कहा कि आज 48 घंटे के अंदर मे किसान के खाते मे पैसा पहुँच रहा है। 3,80,000 करोड़ रुपये सीधे प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के लाभार्थियों के खाते मे पारदर्शी तरीके से पहुँचा दिए गए हैं। बिहार राज्य के अंदर केंद्र सरकार के कार्यों का उल्लेख करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कोसी महासेतु जैसी 20 वर्ष से अटकी हुई परियोजनाएँ प्रधानमंत्री के सफल मार्गदर्शन मे आज समय से पूरे किए जा रहे हैं। साथ ही साथ मखाना बोर्ड का गठन प्रधानमंत्री के बिहार के प्रति विशेष प्रेम को दर्शाता है। इस ऐतिहासिक अवसर पर बिहार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह भी उपस्थित रही। इसके अतिरिक्त, अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति, स्थानीय जनप्रतिनिधि, और प्रशासनिक अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

खास खबर

शिक्षक ने व्यापारी को लगाया 5 करोड़ का चूना

बिलासपुर। न्यायधानी से लगातार ठगी के मामले सामने आ रहे हैं। पहले मामले में गारमेंट व्यापारी 5.29 करोड़ रुपए के ठगी का शिकार हुआ है। व्यापारी मनोज तिवारी सरकारी संस्थान में स्वेटर सप्लाई का टेंडर दिलाने के झांसे में फंसकर बड़ी रकम से हाथ गंवा बैठे। शिकायत पर तारबाहर थाना में चार लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज किया गया है। दूसरे मामले में व्यापारी परफ्यूम एजेंसी देने के नाम पर धोखाधड़ी का शिकार हुआ है। भवानी नगर निवासी जोंटी सिंह से 4.5 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है, जिस पर सिरगिट्टी थाना में प्राइवेट कंपनी के एमडी, एचआर और दो कर्मचारियों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया गया है। एक अन्य मामले में समग्र शिक्षा में पदस्थ सहायक कार्यक्रम समन्वयक रामेश्वर जायसवाल ने गलत वेतन फिक्सेशन कराकर सरकार को ही 9.46 लाख रुपए का चूना लगा दिया। आरोपी 13 साल तक शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मिली भगत कर अधिक वेतन उठाता रहा। अब जब मामला सामने आया है, तब जिला शिक्षा अधिकारी ने वेतन से हुए अधिक भुगतान को वसूलने का आदेश जारी किया है। आरोपी के वेतन से 60 माह तक 15 हजार 700 रु की कटौती होगी।

दहेज प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने की आत्महत्या

रायपुर। रायपुर जिले के नवापारा क्षेत्र के ग्राम चिपरीडीह से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां दहेज प्रताड़ना से तंग आकर प्रेमा साहू नामक महिला ने आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने गहन जांच के बाद ससुराल पक्ष के पांच लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। घटना लगभग एक माह पूर्व की है जब प्रेमा साहू, जो कि ग्राम चिपरीडीह निवासी थी, ने अपने ससुराल वालों की लगातार प्रताड़ना और मारपीट से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया था कि ससुराल पक्ष दहेज में अधिक पैसे और सामान की मांग कर रहे थे और लगातार उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।

जांच के बाद गिरफ्तार हुए ससुराल पक्ष के सदस्य प्राथमिक जांच और मायके पक्ष की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मृतका के सास, ससुर, पति, देवर और देवरानी को नामजद आरोपी बनाया। आरोपियों पर दहेज प्रतिषेध अधिनियम और आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार कर सभी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

होटल में जुआं, पुलिस ने मारा छापा, 6 आरोपी हुए गिरफ्तार

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर के एक प्रतिष्ठित होटल में रविवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब तारबाहर पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की संयुक्त टीम ने वहां चल रही जुए की गुप्त महफिल पर छापा मार दिया। यह कार्रवाई होटल टाइम स्क्वेयर के एक बंद कमरे में की गई, जहां शहर के छह रसूखदार लोग जुए में डूबे पाए गए। पुलिस ने मौके से 5 लाख 16 हजार रुपये नकद और ताश की पत्तियां जब्त की हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 5 के तहत विधिवत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। गुप्त सूचना पर तत्काल कार्रवाई पुलिस को सूचना मिली थी कि होटल टाइम स्क्वेयर के एक कमरे में जुए का आयोजन हो रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल रेड की अनुमति दी। टीम ने घेराबंदी करते हुए होटल में दबिश दी और मौके पर मौजूद सभी छह आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

सड़कों पर आवारा घूमने और बैठे रहने वाले मवेशियों को रोकने हो कार्रवाईः सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रूपकुमारी चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग, स्टेट हाईवे और दूसरी मुख्य सड़कों पर आवारा घूमने वाले या बैठे रहने वाले मवेशियों के कारण सड़क दुर्घटनाओं को रोकने पर विशेष चर्चा हुई। बैठक में सांसद ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर मवेशियों के जमावड़े को हटाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को दिए।

उन्होंने टोल फ्री नंबर 1033 को प्रभावी रूप से 24 घंटे सक्रिय रखने को भी कहा। चौधरी ने सड़कों पर आवारा घूमने वाले या बैठे रहने वाले मवेशियों को हटाकर उन्हें कांजी हाउस या गौशालाओं में रखने के निर्देश दिए तथा इनके मालिकों के विरूद्ध जुर्माना की कार्रवाई करने को कहा। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी गई।

इस बैठक में कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग सहित धमतरी विधायक ओंकार साहू, सिहावा विधायक अंबिका मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सार्वा, महापौर रामू रोहरा सहित सभी जनपद पंचायतों-नगर पंचायतों के अध्यक्ष और कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार, वनमण्डलाधिकारी श्रीकृष्ण जाधव, जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकरी भी शामिल हुए। बैठक में पुलिस अधीक्षक परिहार ने बताया कि जिले में पिछले वर्ष जनवरी से 15 जून तक की अवधि और इस वर्ष की इस अवधि के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 19 प्रतिशत की कमी आई है। इस अवधि में सड़क दुर्घटनाओं में मृतको की संख्या में भी लगभग साढ़े 17 प्रतिशत और घायलों में साढ़े 13 प्रतिशत की कमी हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इसी अवधि में सड़क सुरक्षा के प्रति पुलिस की चालानी कार्रवाई में लगभग डेढ़ सौ प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ के भी कार्रवाई में ढाई गुणा वृद्धि हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पिछले वर्ष तक जिले में गंभीर सड़क दुर्घटनाओं के लेकर 5 ब्लैक स्पॉट थे, जो कि इस वर्ष अब केवल एक रह गया है। इस बचे हुए ब्लैक स्पॉट में भी पिछले एक साल में कोई दुर्घटना नहीं हुई है। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए की जा रही कार्रवाईयों की जानकारी भी दी गई। स्कूलों-कॉलेजों, व्यवसायिक संस्थाओं, वाहन चालकों, व्यापारिक संघों, ग्राम कोटवारों आदि को जनजागरूकता कार्यक्रम के द्वारा यातायात नियमों की जानकारी दी गई है। जनचौपाल, समाधान शिविर, सड़क की पाठशाला जैसे कार्यक्रमों से लगभग 55 हजार से अधिक लोगों को जोड़ा गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के कुरूद जंक्शन, संबलपुर बाईपास, श्यामतराई बाईपास पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने ट्रेफ्फिक सिग्नल लगाए गए हैं। इसके साथ ही रोड मार्किंग, केट आई, कॉनवेक्स मिरर, साईन बोर्ड भी लगवाए गए हैं।

सड़कों पर स्थित विद्युत पोल, मार्कर बोर्ड, डेलीनेटर, पुलों में लगे रेलिंग, सड़कों के किनारे लगे पेड़ों में रेडियम रिफ्लेक्टर टेप लगवाए गए हैं, ताकि रात में सफर करने के दौरान कोई सड़क दुर्घटना ना हो। सड़कों में अतिक्रमण कर दुकान, ठेला, पसरा, विज्ञापन बोर्ड आदि लगाने वाले व्यवसायियों में भी नगरनिगम के समन्वय के सथ लगातार कार्रवाई की जा रही है। हाईवे पेट्रोलिंग और थानां के माध्यम से होटल, ढाबा, पान दुकानों, पंक्चर दुकानों, पेट्रोल पंप संचालकों और कर्मचारियों के साथ-साथ समाजसेवियों को जोड़कर समाज सुरक्षा मितान बनाया गया है। इनके माध्यम से सड़क दुर्घटना की सूचना देने पर घायलों को त्वरित मदद भी की जा रही है। इसके साथ ही पैदल पेट्रोलिंग कर शहर मे यातायात व्यवस्थित किया जा रहा है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर चालानी कार्रवाई की जा रही है। अभी तक 121 वाहन चालकों का लायसेंस सस्पेंट करने के लिए परिवहन विभाग को लिखा गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर 12, राष्ट्रीय राजमार्ग-23 पर 8 और जिले की अन्य सड़कों पर 10 सड़क दुर्घटनाजन्य खण्डों का चिन्हांकन कर दुर्घटनाएं रोकने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे मार्गों में सूचनात्मक बोर्ड लगाने के साथ-साथ मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाईयां भी की जा रहीं हैं।

सफाई कर्मी बन एएसपी ने शराब माफियाओं पर कसा शिकंजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में लंबे समय से अवैध शराब कारोबार की मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने इस बार खास रणनीति अपनाई। माफिया अक्सर पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही फरार हो जाते थे, लेकिन इस बार एएसपी अर्चना झा ने स्वयं सफाईकर्मी का भेष धारण कर महिला पुलिसकर्मियों के साथ गांव में दबिश दी, जिसके बाद बड़ा खुलासा हुआ। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 1000 लीटर से ज्यादा अवैध महुआ शराब बरामद की और 7 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया। यह पूरी कार्रवाई बेहद गोपनीय तरीके से अंजाम दी गई ताकि माफिया को किसी भी तरह की सूचना न मिले।

पहले मिलती थी शिकायत, कार्रवाई से पहले ही भाग जाते थे आरोपी पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि कुछ गांवों में अवैध रूप से महुआ शराब बनाई और बेची जा रही है। लेकिन जैसे ही पुलिस दल पहुंचता, आरोपी पहले से सतर्क होकर फरार हो जाते थे। इससे पुलिस को बार-बार खाली हाथ लौटना पड़ता था।

इस बार एएसपी अर्चना झा ने खुद मोर्चा संभाला। उन्होंने सफाईकर्मी के रूप में भेष बदलकर इलाके का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ महिला पुलिसकर्मियों की टीम भी थी, जो आम नागरिकों की तरह इलाके में घूमती रही। जैसे ही पुख्ता सबूत मिले, पुलिस ने एक साथ कई ठिकानों पर छापा मारा। जब्त शराब और कार्रवाई का विवरण 1000 लीटर से अधिक महुआ शराब जब्त, शराब बनाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे ड्रम, बर्तन, भट्ठियां भी सील जंगल और खेतों के किनारे छुपाए गए मशरूमनुमा शराब निर्माण केंद्र उजागर एएसपी अर्चना झा ने क्या कहा? कार्रवाई के बाद एएसपी अर्चना झा ने मीडिया से कहा, यह एक सुनियोजित अभियान था। लगातार शिकायतें आ रही थीं, लेकिन हर बार आरोपी फरार हो जाते थे। इस बार हमने अलग तरीका अपनाया और टीम के सहयोग से अवैध शराब कारोबारियों को रंगे हाथों पकड़ा। आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी। पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि जिले में अवैध शराब का कारोबार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में भी ऐसी दबिश जारी रहेंगी और माफियाओं को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

चिल्फी पुलिस ने की कार्रवाई, चांदी तस्करी का पर्दाफाश, 38 किलो चांदी के साथ 4 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। चिल्फी पुलिस ने चांदी तस्करी का किया भंडाफोड़, 38 किलो चांदी के साथ 4 आरोपी गिरफ्तार किया गया है। चिल्फी थाना क्षेत्र में सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 38 किलो अवैध चांदी के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद की गई चांदी की अनुमानित कीमत 40 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। यह कार्रवाई उस समय हुई जब आगरा से रायपुर की ओर जा रही एक संदिग्ध कार को पुलिस ने चेकिंग के दौरान रोका। गाड़ी की तलाशी लेने पर पुलिस को भारी मात्रा में चांदी मिली, लेकिन उससे संबंधित कोई वैध दस्तावेज या रसीद पेश नहीं की जा सकी। इसके चलते पुलिस ने कार में सवार चार युवकों को हिरासत में ले लिया और वाहन जब्त कर लिया।

तस्करी की आशंका, जांच जारी प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह चांदी तस्करी के जरिए रायपुर में खपाने की योजना थी। चिल्फी पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह चांदी कहां से लाई गई थी और किन लोगों तक पहुंचनी थी। साथ ही आरोपियों के पास से मिले मोबाइल और अन्य दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। चिल्फी थाना प्रभारी ने बताया कि आयकर विभाग और राजस्व अधिकारियों को भी सूचना दे दी गई है, ताकि आर्थिक अनियमितता और कर चोरी के पहलुओं की जांच की जा सके। फिलहाल चारों आरोपी हिरासत में हैं और उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जल्द ही पूरे तस्करी नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है।

पत्नी को आपत्तिजनक स्थिति में देख पति ने की मारपीट, पुलिस ने दी समझाइश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शहर के बुधवारी बस्ती इलाके में रविवार रात एक घरेलू विवाद उस समय बवाल में बदल गया, जब एक पति ने अपनी पत्नी को आपत्तिजनक स्थिति में दो युवकों के साथ देख लिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची डॉयल 112 और सिविल लाइन थाना पुलिस ने हालात को संभालते हुए दोनों पक्षों को आवश्यक नसीहत देकर मामला शांत कराया। पुलिस ने आगे कानूनी कार्रवाई की संभावना जताई है। घटना रविवार रात करीब 10:30 बजे की है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, महिला अपने मायके बुधवारी बस्ती में रह रही थी, जबकि उसका पति कुसमुंडा के कुचैना क्षेत्र में रहता है। पति-पत्नी के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था, जिसके चलते महिला अपने मायके चली आई थी। पति ने उसे मनाने के कई प्रयास किए, लेकिन वह वापस नहीं गई। रविवार की रात पति बिना सूचना के अचानक पहुंच गया, और जब उसने कमरे का दृश्य देखा, तो हक्के-बक्के रह गया। दावा किया गया है कि महिला दो युवकों के साथ आपत्तिजनक स्थिति में थी। इस पर पति बौखला गया और मारपीट शुरू कर दी।

पुलिस की एंट्री और समझाइश घटना की जानकारी मिलने पर डॉयल 112 और सिविल लाइन थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाइश दी। पुलिस ने पति से कहा कि किसी भी परिस्थिति में मारपीट नहीं की जा सकती, बल्कि उसे कानूनी रास्ता या कोर्ट का सहारा लेना चाहिए। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो गया। इस घटना के बाद इलाके में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। पुलिस प्रशासन अब स्लम क्षेत्रों में किराएदारों के सत्यापन को लेकर और सख्त हो सकता है। पुलिस ने हाल ही में अभियान शुरू किया है, जिसके तहत मकान मालिकों से पूछा जा रहा है कि किराएदार कौन हैं, कहां से आए हैं और उनके दस्तावेज क्या हैं। अब इस तरह की घटनाओं को देखते हुए मकान मालिकों और किराएदारों पर कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

घरेलू विवाद बना हाई-वोल्टेज ड्रामा, युवक ने दी आत्मदाह की धमकी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ की उर्जाधानी कोरबा में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब मानिकपुर चौकी अंतर्गत मुड़ापार हेलीपैड के समीप स्थित एक मकान में घरेलू विवाद के चलते एक युवक ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और गैस व पेट्रोल फैलाकर आत्मदाह की कोशिश करने लगा। घटना स्थल पर भारी पुलिस बल और दमकल की टीम को तैनात किया गया। करीब दो घंटे तक चले हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़कर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला।

झगड़े की वजह बनी शराब प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक की पहचान ऋषिकेश सिदार के रूप में हुई है, जिसका अपनी पत्नी से शराब पीने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर ऋषिकेश ने आवेश में आकर घर में तोड़फोड़ की और फिर खुद को कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद उसने रसोई गैस का रेगुलेटर खोल दिया और अपनी बाइक की पेट्रोल टंकी से पेट्रोल फैलाना शुरू कर दिया। इस घटना के दौरान घर और मोहल्ले में गैस व पेट्रोल की तीव्र गंध फैल गई, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

दो घंटे तक चला सस्पेंस, फिर पुलिस ने तोड़ा दरवाजा घटना की सूचना मिलते ही मानिकपुर चौकी पुलिस के साथ-साथ दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। सबसे पहले पुलिस ने युवक को शांत करने की कोशिश की, लेकिन जब वह नहीं माना तो पुलिस और दमकल कर्मियों ने मिलकर बलपूर्वक दरवाजा तोड़ दिया और युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। अस्पताल में भर्ती, मानसिक जांच जारी कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना पति-पत्नी के बीच विवाद के चलते हुई।

युवक ने आत्महत्या की कोशिश की थी, लेकिन समय रहते पुलिस ने उसे बचा लिया। फिलहाल ऋषिकेश सिदार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और मनोचिकित्सक से उसका परीक्षण कराया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर घरेलू विवादों और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर गहराते संकट को उजागर किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि परिवारों में संवादहीनता और तनाव का स्तर बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते ऐसे आत्मघाती कदम देखने को मिल रहे हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्यवाही की जा रही है।

ट्रिपल मर्डर से मचा हड़कंप, नशेड़ी ने महिला व दो बच्चों को मारकर नदी की रेत में दफनाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में ट्रिपल मर्डर से हड़कंप मच गया। यहां के तपकरा थाना क्षेत्र के साजबहार स्थित उतियाल नदी की रेत में दफन तीन शवों को पुलिस ने बरामद किया है। इनमें एक महिला व दो बच्चों की लाशे हैं। तपकरा पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा है। वहीं ट्रिपल मर्डर के आरोपी की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है तीनों की ह्त्या कर दफ्नाने की बात गांव में एक नशेड़ी ने कही थी पुलिस उसे तलाश रही है।

दरअसल पुलिस को नदी की रेत में दफन लाशों की जानकारी गांववालों के जरिए मिली थी। पुलिस को ग्रामीणों से सोमवार को सूचना मिली कि गांव का एक व्यक्ति प्रमोद गिद्धी शराब के नशे में कह रहा है कि उसने साजबहार उतियाल नदी के किनारे रेते में 1 महिला और 2 बच्चों को मारकर दफना दिया है। ग्रामीणों की सूचना पर तपकरा पुलिस जांच के लिए पहुंची।

मौके पर पुलिस रेत में जहां जहां उभार वाला हिस्सा दिखा वहां की रेत को हटाया गया। इस दौरान पुलिस को 1 लड़का बच्चा (उम्र लगभग 06 साल) व 01 बच्ची (उम्र लगभग 11 साल) का शव मिला। कुछ ही दूरी पर जंगल में 01 महिला (उम्र लगभग 36 साल) का शव मिला। तीनों शवों की शिनाख्त ग्रामीणों से कराने के बाद मर्ग कायम कर जांच कार्यवाही की जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है, इसलिए प्रकरण के हर पहलुओं की बारीकी से विवेचना की जा रही है।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने घटना के संबंध में बताया गया है प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है। चूंकि प्रमोद गिद्धी नाम के व्यक्ति ने ग्रामीणों के समक्ष हत्या करने व शवों को दफ्न करने की बात कही है इसलिए पुलिस के लिए पहला संदेही वही है। प्रमोद गिद्दी घटना के बाद से फरार है, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। प्रमोद गिद्दी ही मुख्य संदेही प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है, लेकिन पुलिस द्वारा घटना के सारे संभावित बिन्दुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है, जांच के बाद अंतिम निष्कर्ष निकलेगा।

अवैध रेत परिवहन करते 13 हाइवा जब्त

धमतरी। कलेक्टर अविनाश मिश्रा के निर्देश पर जिले में अवैध खनिज परिवहन, भंडारण और उत्खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 हाइवा वाहनों को जब्त किया है, जो बिना वैध पिटपास के रेत का परिवहन कर रहे थे। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि ये वाहन धमतरी जिले के बोरसी, राजपुर, दोनर, मंदरौद और ढीमरटिकुर जैसे विभिन्न भंडारण क्षेत्रों से पकड़े गए हैं।

जब्त किए गए वाहनों में से 7 हाइवा-कम्पोजिट भवन के पास 1 हाइवा-भखारा थाना परिसर में 2 हाइवा-बिरेझर चौकी में 3 हाइवा-कुरुद मंडी में अभिरक्षा में रखे गए हैं। इन सभी वाहनों के खिलाफ छत्तीसगढ़ गौण खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध दस्तावेजों के खनिज परिवहन करना कानूनन अपराध है और इसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। शासन की मंशा के अनुरूप जिले में खनिज संपदाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। इस संयुक्त अभियान में शामिल विभागों के समन्वय से प्रशासन का यह संदेश साफ है कि खनिज माफिया और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बिना किसी रियायत के कार्रवाई की जाएगी।

केन्द्रीय गृहमंत्री ने जवानों से किया संवाद, बोले- जब नक्सलमुक्त होगा देश वह पल होगा आजादी के बाद का सबसे महत्वपूर्ण क्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ संवाद किया। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, बीएसएफके महानिदेशक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि आज यहां उपस्थित केंद्रीय सुरक्षा बलों, कोबरा टीम, छत्तीसगढ़ पुलिस बल और डीआरजी के साहस, शौर्य, बलिदान और समर्पण को नमन करता हूं।

उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि सुरक्षा बल के जवान अपने शौर्य और परिश्रम से ही नक्सलियों के साथ मुठभेड़ को सफल बनाते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने जिस शौर्य, धैर्य और समर्पण के साथ माओवादियों के बनाये अड्डों को तहस-नहस किया है, उसने विश्व के सभी सुरक्षा बलों को आश्चर्यचकित कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे मालूम है कि सेना के जवान जो तय करते हैं, वो हासिल करते हैं। सुरक्षा बलों के इसी भरोसे से मैं देश में 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे का ऐलान करता हूं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नक्सलवाद गरीब आदिवासी क्षेत्र के लिए बड़ी विभीषिका रही है, जिससे पिछले 35 साल में लगभग 40 हजार लोगों की मौत हुई है या फिर वो अपाहिज होकर जीवन व्यतीत कर रहे हैं ।नक्सलवादी हिंसा ने गरीब आदिवासी तक खाना, बिजली, शिक्षा, घर, शौचालय और पीने का शुद्ध पानी जैसे मूलभूत सुविधाओं को नहीं पहुंचने दिया और उद्योग को तो भूल ही जाइए। इतने लंबे वर्षों तक इतना बड़ा क्षेत्र गुलामी के कालखंड में जीने को मजबूर रहा। इसका मूल कारण नक्सलवाद है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मुझे आज आनंद है कि आज जिस क्षेत्र से नक्सलवाद खत्म होता है, वहां हमारी सरकार अनाज, स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, बिजली, घर, शौचालय और पीने का शुद्ध पानी पहुंचाकर लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि जब बच्चा हाथ में बंदूक की जगह पेंसिल पकड़कर क, ख, ग लिखता है, तो न सिर्फ एक क्षेत्र का बल्कि पूरे देश का भविष्य संवरता है। यह क्षण जल्द ही आने वाला है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में जब 31 मार्च, 2026 को देश नक्सलवाद से मुक्त होगा, वो क्षण आजादी के बाद का सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जब नक्सलवाद के खात्मे का इतिहास लिखा जायेगा, उसमे सुरक्षा बलों के जवानों का त्याग, बलिदान और परिश्रम स्वर्णिम अक्षरों से अंकित होगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में 'लियोर ओयना' ङ्क नक्सलियों द्वारा आदिवासियों के भीषण संहार और बस्तर को बचाने के प्रयासों पर लिखित पुस्तक का लोकार्पण भी किया। नक्सलियों ने जिन मासूम, निहत्थे लोगों को अपनी हिंसा का शिकार बनाया है, उनकी पीड़ा समझने में यह पुस्तक सहायक होनेवाली है। यह पुस्तक ह्यूमन राईट के नाम पर नक्सलियों से संवेदना दिखाने वालों के आँखों के आगे से पर्दा हटाने और उन्हें एक्सपोज करने में भी उपयोगी सिद्ध होगी।

छत्तीसगढ़ में बदल रही शिक्षा की तस्वीर

दूरस्थ शहरों में खोले जाएंगे 18 सेंट्रल लाइब्रेरी-सह रीडिंग जोन, युवाओं को मिलेगा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय प्रशासन विभाग ने 18 सेंट्रल लाइब्रेरीज के लिए 114 करोड़ की मंजूरी दी है। जिसके तहत दूरस्थ शहरों में जैसे सुकमा, दंतेवाड़ा, सूरजपुर, बैंकुठपुर, चिरमिरी में लाइब्रेरी खुलेगी। 17 नगरीय निकायों में सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन बनेंगे। इससे युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अच्छा माहौल मिलेगा।

नगरीय प्रशासकीय विभाग ने कुल 17 नगरीय निकायों में सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन के निर्माण के लिए 114 करोड़ 50 लाख 77 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। इनमें कई दूरस्थ अंचलों के शहर शामिल हैं। इससे युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अच्छा माहौल मिलेगा। इसके साथ ही उच्च शिक्षा के लिए अच्छी पुस्तकें भी मिलेंगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद नगरीय प्रशासकीय विभाग ने मंत्रालय से विभागीय संचालक को सेंट्रल लाइब्रेरीज के लिए राशि की मंजूरी के संबंध में सोमवार को परिपत्र जारी किया है। माना जा रहा है कि 18 नए सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन प्रदेश के हर वर्ग के युवाओं के करियर निर्माण में काफी सहायक होंगी।

गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा सीबीजी जागरूकता बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा सतत् योजना के अंतर्गत कम्प्रेस्ड बायोगैस पर आधारित एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन नया रायपुर के निजी होटल में किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य CBG-CGD सिंक्रो स्कीम एवं छत्तीसगढ़ में CBG संयंत्र स्थापना के प्रति उद्यमियों को जागरूक करना रहा। इस संवाद के माध्यम से उद्यमियों को हरित ऊर्जा की दिशा में पहल करने और राज्य में टिकाऊ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर गेल इंडिया लिमिटेड तथा भारत सरकार के अधिकारियों ने नीतियों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में सीबीडीए के सीईओ सुमित सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित सीबीजी परियोजनाओं की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य में सीबीजी निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति के अंतर्गत CBG परियोजनाओं को दिए जा रहे विशेष प्रोत्साहन एवं कर छूट की जानकारी भी साझा की।

बैठक में गेल इंडिया लिमिटेड वरिष्ठ अधिकारी सीजीएम रंजन कुमार एवं मो. नजीब कुरैशी सहित कई उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

चिरायु योजना से सुरेखा को मिला नया जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन की महत्वाकांक्षी 'चिरायु योजना' एक बार फिर जरूरतमंद बच्चों के लिए संजीवनी साबित हुई है। बलरामपुर जिले के ग्राम महाराजगंज की रहने वाली छोटी बच्ची सुरेखा को गंभीर हृदय रोग से जूझने के बाद अब नया जीवन मिला है। स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सुरेखा की पूर्णत: स्वस्थ होने की पुष्टि की है।

सुरेखा के हृदय में जन्म से ही छेद था, जिसकी पहचान स्कूल में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के दौरान हुई। इस जानकारी से सुरेखा के माता-पिता बेहद चिंतित हो गए, लेकिन चिरायु योजना ने उनके लिए उम्मीद की किरण दिखाई। योजना के तहत सुरेखा को श्री सत्य साईं अस्पताल रायपुर में भेजा गया, जहां उसका नि:शुल्क सफल ऑपरेशन किया गया। इस दौरान समस्त जांच, सर्जरी, दवाइयां और देखभाल का खर्च योजना से ही उपलब्ध हुआ।

दो दिवसीय वृहद स्वास्थ्य शिविर में जब सुरेखा को पुन: परीक्षण हेतु लाया गया, तो सत्य साईं अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उसे पूरी तरह से स्वस्थ घोषित किया और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी प्रदान किया।

सुरेखा के पिता कुन्दलेश ने भावुक होकर बताया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे बेटी का इलाज बड़े शहर में नहीं करवा सकते थे। लेकिन

जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की सहायता से न केवल सुरेखा का इलाज संभव हुआ, बल्कि अब वह पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य बच्चों की तरह खेलकूद सकती है।

उन्होंने कहा चिरायु योजना ने न सिर्फ मेरी बेटी की जान बचाई, बल्कि उसका बचपन भी लौटा दिया। यह हम जैसे आम लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। मैं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय , स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,जिला प्रशासन और चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त करता हूँ।

गौरतलब है कि चिरायु योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में अब तक हजारों बच्चों को गंभीर बीमारियों से राहत दिलाई जा चुकी है। सरकार की यह पहल बच्चों के स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सार्थक कदम है।

शिक्षा विकास का आधार, जीवन में लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मेहनत जरूरी है : मंत्री टंक राम वर्मा

सरस्वती सायकिल योजना अंतर्गत 80 छात्राओं को वितरित किए सायकिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला टोहड़ा में आयोजित विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर व मुंह मीठा कर अभिनन्दन किया। नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। इसके साथ ही सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत 80 छात्राओं को सायकिल वितरित किए गए।

राजस्व मंत्री वर्मा ने सभी नवप्रवेशी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा हमारे विकास का आधार है। जीवन के सभी क्षेत्र मे लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मेहनत जरूरी है। विद्यार्थी अपनी पूरी क्षमता के साथ अध्ययन कर अपने भविष्य को गढ़

सकते हैं। वर्तमान सोशल मीडिया के दौर में विद्यार्थियों को इसके दुष्प्रभाव से बचना है। केवल पढ़ाई के लिए ही इसका उपयोग करें। विद्यार्थी निष्ठा और लगन के साथ मेहनत करें। उन्होंने कहा कि माता-पिता बच्चों का पालन पोषण कर सभी जरूरतों को पूरा करते हैं। विद्यार्थियों को सही दिशा और व्यक्तित्व का निर्माण स्कूल में ही होता है। विद्यार्थी ईमानदारी से मेहनत करें और भविष्य को उज्ज्वल बनाएं। कार्यक्रम को विधायक धरसींवा अनुज शर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री ने सात अतिरिक्त कक्ष तथा 12 लाख रुपए से निर्मित प्रार्थना शेड का लोकार्पण किया। टोहड़ा स्कूल में शौचालय निर्माण, सायकल स्टैंड,प्रार्थना शेड और रंगमंच निर्माण की घोषणा के साथ ही एक पेड़ माँ के नाम से पौधरोपण किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल,जिला पंचायत के सदस्यगण सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी,प्राचार्य रमुला एकता,वरिष्ठ व्याख्याता दिनेश आडिल एवं बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे।

गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व नि:शुल्क जांच एवं उपचार नियमित होना चाहिए : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी चिकित्सालयों में पर्याप्त मानव संसाधन, पर्याप्त सामग्री सहित अन्य संसाधन उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टर, नर्स एवं अन्य स्टॉफका व्यवहार मरीजों के साथ होना चाहिए। कलेक्टर ने जिले सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध संसाधनों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जहां स्टॉफकी कमी है, वहां मेडिकल ऑफिसर एवं अन्य स्टॉफ भर्ती करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिले में संस्थागत प्रसव को बढ़ाने की जरूरत है। गर्भवती महिलाओं की जांच एवं उपचार नियमित तौर पर होना चाहिए। उन्होंने हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन के निर्देश दिए तथा उनके लिए विशेष तौर पर उपचार के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्य करने की जरूरत है। बच्चों के टीकाकरण को बढ़ावा देते हुए सभी टीका निर्धारित समय पर लगाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी हॉस्पिटल में आयुष्मान कार्ड का शत-प्रतिशत उपयोग करना सुनिश्चित करें। आयुष्मान कार्ड से मरीजों के उपचार के लिए राशि का क्लेम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे प्राप्त राशि का उपयोग हॉस्पिटल के उन्नयन के लिए करें। जिले के हॉस्पिटल में पर्याप्त संख्या में डॉक्टर्स एवं चिकित्सा से जुड़ी मशीने उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने गैर संचारी रोग मधुमेह एवं अन्य बीमारियों की एन्ट्री एवं स्क्रीनिंग में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसी तरह टीबी एवं कुष्ठ रोग की बीमारी के परीक्षण को बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के प्रति सावधानी रखते हुए सजगता से कार्य करें। इसके लिए जांच का कार्य निरंतर जारी रखें।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने जिले में आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघोला एवं तिलई को राष्ट्रीय मानक गुणवत्ता प्रमाण पत्र मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कलेक्टर ने सिकल सेल का परीक्षण बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने हॉस्पिटल में रखरखाव तथा व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में विभिन्न स्थानों पर बनाए जा रहे निर्माणाधीन कार्य समय पर पूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता देते हुए प्रगतिरत एवं अप्रारंभ निर्माण कार्य को समय पर पूर्ण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व नि:शुल्क जांच निरंतर जारी रहना चाहिए। उन्होंने समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रम की समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना, आयुष्मान वय वंदन कार्ड, निक्षय निरामय, प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र, महामारी नियंत्रण, मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य कार्य की प्रगति, एनीमिया मुक्त भारत, परिवार नियोजन, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पोषण पुर्नवास की प्रगति, प्रधानमंत्री डायलिसिस योजना, ई-संजीवनी, राष्ट्रीय वैक्टर रोग नियंत्रण कार्यक्रम, डेंगू, मलेरिया, फाईलेरिया, पीसीपीएनडीटी सहित अन्य कार्यक्रमों के प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, संयुक्त संचालक मेडिकल कालेज डॉ. अतुल देशकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरत्न, अधीक्षक मेडिकल कालेज डॉ. पवन जेठानी, प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. माधुरी खुंटे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बीएल तुलावी, जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. शिल्पा मिश्रा, डीपीएम संदीप ताम्रकार, समस्त बीएमओ, बीपीएम, सलाहकार उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अर्पित की श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 'एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान' के प्रबल पक्षधर और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आज महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन और उनका बलिदान राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने अपने सिद्धांतों और विचारों के लिए अतुलनीय संघर्ष किया और जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। राजवाड़े ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे राष्ट्रनायकों की तपस्या और त्याग आज की पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं।

उनका बलिदान हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी पुष्प अर्पित कर डॉ. मुखर्जी को नमन किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950